हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 16 सितंबर 2025 | अंक 332/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

वैशाली
लाछा अँन्ड साड़ीज़
FANCY SHALU LACHA LEHENGA
YEOLA PAITHANI PESHWAI
POSITION PRINT RANG KAT
FANCY WORK ORGANZA WORK
H.O. SILK SOUTH SILK
SILK SAREE DHARMAVARAM
WEDDING ONE PIECE / GOWN
SAREES SPECIALIST
Sarafa Bazar, Itwari Nagpur Time:10.00-7.30
9529081789, 9325112561 SUNDAY CLOSED

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन

पूरे देश में 'सेवा पखवाड़ा' का आयोजन

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे. इस खास दिन को लेकर जोर शोर से तैयारियां की जा रही है. इस खास मौके पर पूरे देश में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. इस अवसर पर सेवा पखवाड़ा भी मनेगा. जिसके तहत पूरे 15 दिन तक कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा. पीएम के जन्मदिन को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है. पीएम मोदी अपने जन्मदिन के अवसर पर मध्य प्रदेश के धार जिले का दौरा करेंगे. इस दौरे पर वो राज्य को कई महत्वपूर्ण सौगातें देने वाले हैं. पीएम के आगमन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं. धार जिले के भैंसोला गांव में पीएम का कार्यक्रम तय है. आईये जानते हैं पीएम के दौरे से जुड़ी मुख्य घोषणाओं और योजनाओं के बारे में.

प्रमुख सौगातें: पीएम मित्र पार्क का भूमि पूजन: प्रधानमंत्री धार जिले के भैंसोला गांव में "मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क" (पीएम मित्रा पार्क) का भूमि पूजन करेंगे. यह पार्क लगभग 1,300 एकड़ से अधिक भूमि पर बनाया जाएगा. इसमें 91 से अधिक कंपनियों ने निवेश की इच्छा जताई है. अनुमान है कि इस पार्क से 72,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे. यह पार्क कपास आधारित उद्योगों को बढ़ावा देगा, जिससे लगभग 6 लाख किसानों को सीधा लाभ होगा.

महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं: 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ: प्रधानमंत्री मोदी इस अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसका उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करना है. इसके तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में 75,000 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जाएंगे. इन शिविरों में महिलाओं की सभी प्रकार की जांचें निःशुल्क की जाएंगी. इसके साथ ही महिलाओं को 5 लाख तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा भी प्रदान किया जाएगा.

अन्य महिला-केंद्रित पहल

देशभर में महिला और बाल स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'पोषण माह 2025' का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर 'सुमन सखी' नामक एक नवाचारी चैटबॉट सेवा का भी लोकार्पण किया जाएगा, जो महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण और संबंधित जानकारियाँ उपलब्ध कराएगी। इस साल के पोषण माह के दौरान 'एक बगिया मां के नाम' अभियान के तहत पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण और मातृ स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही, 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' के अंतर्गत लाभार्थियों के खातों में सीधे किस्तों का हस्तांतरण भी किया जाएगा, जिससे योजनाओं का लाभ समय पर सीधे पात्र महिलाओं तक पहुंच सकेगा। सरकार का यह अभियान महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है, जिसमें पोषण सुधार, स्वास्थ्य जागरूकता और वित्तीय सहायता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पीएम ने दी बिहार को 40,000 करोड़ की सौगात

पटना. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के पूर्णिया में लगभग 40,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन किया और राज्य को वंदे भारत सहित चार नई ट्रेनों की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने पूर्णिया में आयोजित एक भव्य जनसभा से 1 वंदे भारत, 2 अमृत भारत और 1 पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही उन्होंने 26.33 किमी लंबी बिक्रमशिला-कटेरिया रेल लाइन की आधारशिला रखी और 111 किमी लंबी अररिया-गलगलिया रेल लाइन का उद्घाटन भी किया। जोगबनी-दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस: यह ट्रेन अररिया, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, बेगूसराय, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, वैशाली और पटना जैसे जिलों को सीधे जोड़ेगी। कटिहार-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस: अररिया और किशनगंज के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा, जिससे पूर्वोत्तर बिहार को फायदा पहुंचेगा। सहरसा-छेहरटा (अमृतसर) अमृत भारत एक्सप्रेस: बिहार से पंजाब तक की दूरी अब पहले से अधिक सुविधाजनक होगी।

सीएम नीतीश का बड़ा बयान- 'अब कहीं नहीं जाऊंगा'

पटना.

बिहार में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी प्रमुख राजनीतिक दल चुनावी तैयारियों में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर नेताओं का दल बदलना भी जारी है।

इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर साफ किया है कि वे अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का साथ नहीं छोड़ेंगे। नीतीश कुमार ने सोमवार, को पूर्णिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा के दौरान मंच से यह अहम घोषणा की।

उन्होंने सार्वजनिक रूप से पीएम मोदी को आश्वस्त करते हुए कहा, "अब कहीं नहीं जाऊंगा। एनडीए के साथ ही रहूंगा और पलटी नहीं मारूंगा।" मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में चुनावी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं और उनके पुराने 'पाला बदलने' के इतिहास को लेकर बार-बार चर्चा हो रही है।

सीएम नीतीश ने अपने संबोधन में राजद-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी उन्होंने इन दलों के साथ सत्ता साझा की, उन्होंने सत्ता का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा, 'यह गठबंधन मुझे कभी रास नहीं आया। अब मैं वापस आ गया हूं और कहीं नहीं जाऊंगा।' मुख्यमंत्री ने आत्मस्वीकृति के अंदाज़ में कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं के कहने पर वे पहले इधर-उधर चले गए थे।

इस दौरान उन्होंने मज़ाकिया लहजे में केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह की ओर इशारा करते हुए कहा, 'उनमें से एक नेता हमारे साथ मंच पर ही बैठे हैं।'

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बातों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मंच पर मुस्कुराए और तालियों के साथ प्रतिक्रिया दी। यह दृश्य राजनीतिक संकेतों से भरपूर रहा और साफ संदेश गया कि नीतीश अब पूरी तरह से एनडीए के साथ हैं।

पहले भी दोहरा चुके हैं निष्ठा

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने एनडीए के साथ अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। इससे पहले मई में पटना में आयोजित 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' के उद्घाटन समारोह में भी उन्होंने कहा था कि पार्टी के कहने पर पहले कुछ निर्णय लिए गए थे, लेकिन अब वे पूरी तरह एनडीए के साथ हैं और कोई बदलाव नहीं होगा। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह बयान एनडीए खेमे को मजबूती देने वाला माना जा रहा है। साथ ही, यह विपक्षी गठबंधन के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि नीतीश कुमार का रुख अब स्थिर है और वे बार-बार पाला नहीं बदलेंगे। अब देखना होगा कि बिहार की जनता इस राजनीतिक भरोसे को किस रूप में लेती है।

सुप्रीम कोर्ट की एसआईटी ने वनतारा प्राणी बचाव केंद्र को दी क्लीन चिट

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस जे चेलमेश्वर की अध्यक्षता वाली विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने गुजरात के प्राणी बचाव और पुनर्वास केंद्र वनतारा को क्लीन चिट दे दी है। एसआईटी की जांच में वनतारा पर लगाए गए सभी आरोप निराधार पाए गए। इसके बाद वंतारा ने एक बयान जारी कर सुप्रीम कोर्ट और एसआईटी का धन्यवाद व्यक्त किया।

वनतारा का बयान: वनतारा ने कहा कि वे जीवन भर पशु और पक्षियों की सुरक्षा एवं देखभाल करुणा के साथ करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने वनतारा के मिशन पर लगे संदेहों को दूर किया है और इसे अपने कार्यों के लिए एक आशीर्वाद माना है। वनतारा परिवार ने सभी हितधारकों के साथ मिलकर पशु कल्याण के कार्य में समर्पित रहने का संकल्प भी दोहराया।

जांच के आदेश: एसआईटी को भारत एवं विदेश से पशुओं के लाने-ले जाने, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, चिड़ियाघर नियमों, आयात-निर्यात कानूनों, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा देखभाल, मृत्यु दर के कारणों, जलवायु परिस्थितियों, प्रजनन एवं संरक्षण कार्यक्रमों समेत विभिन्न पहलुओं की जांच करने का आदेश दिया गया था। एसआईटी की व्यापक जांच के बाद वंतारा पर लगे सभी आरोप निराधार साबित हुए। सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए वनतारा की प्रतिष्ठा बहाल की है। वंतारा ने अपने कार्य को और भी समर्पित भाव से जारी रखने का आश्वासन दिया है।

मामले का संक्षिप्त परिचय: सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट्स, सोशल मीडिया की खबरों और गैर सरकारी संगठनों की शिकायतों के आधार पर वनतारा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए चार सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। कोर्ट ने इस मामले में निजी पक्षों से जवाब लेने की बजाय जांच कराने का निर्णय लिया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि याचिका में लगाए गए आरोपों पर कोई पूर्वाग्रह नहीं है और न ही इसका मतलब यह है कि वनतारा की कार्यप्रणाली पर संदेह किया जाए।

2 करोड़ किताबों का निःशुल्क भंडार

हरलाहल्ली के अंके गौड़ा ने बनाई देश की सबसे अनोखी लाइब्रेरी

बेंगलुरु. कर्नाटक में मैसूर के पांडवपुरा के निकट एक छोटा सा गांव हरलाहल्ली शोधकर्ताओं, छात्रों और लेखकों के लिए पसंदीदा स्थान बन गया है. यहां एक 75 साल के बुजुर्ग ने एक विशालकाय पुस्तकालय यानी लाइब्रेरी बनाई है. वह 50 सालों किताबों का संग्रह कर रहे हैं. बुजुर्ग का नाम अंके गौड़ा है. अंके गौड़ा ने 20 साल की उम्र में बस कंडक्टर की नौकरी करते हुए किताबें इकट्ठा करनी शुरू कर दी थी.

बाद में उन्होंने कन्नड़ साहित्य में मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए नौकरी छोड़ दी और फिर लगभग तीन दशकों तक एक चीनी के कारखाने में काम किया. उनकी ज्यादातर कमाई किताबें खरीदने में चली गई. अपने किताबों के संग्रह को और बढ़ाने के लिए उन्होंने मैसूर स्थित अपना घर भी बेच दिया. उनकी लाइब्रेरी में लगभग 2 करोड़ किताबें हैं. इनमें 50 लाख विदेशी पुस्तकें और 5,000 से ज्यादा बहुभाषी शब्दकोश शामिल हैं. अब वह अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी और बेटे सागर के साथ लाइब्रेरी में ही एक साधारण जीवन जीते हैं, जो उनके इस मिशन का तहे दिल से समर्थन करते हैं. अंके गौड़ा की लाइब्रेरी बिना शुल्क के सभी के लिए खुली रहती है. कोई भी यहां आ सकता है. पढ़ सकता है और ज्ञान प्राप्त कर सकता है. स्कूली छात्रों और शोधकर्ताओं से लेकर सिविल सेवा के उम्मीदवारों और सुप्रीम कोर्ट के जज यहां की किताबों का रेफरेंस लेने आए हैं. इस पुस्तकालय में 20 से ज्यादा भारतीय और विदेशी भाषाओं की किताबें हैं, जिनमें साहित्य, विज्ञान, तकनीक, पौराणिक कथाएं, दर्शन और दुर्लभ पांडुलिपियां शामिल हैं. अंके गौड़ा के लिए किताबें इकट्ठा करना ही अंतिम लक्ष्य नहीं है. उनका सपना पुस्तकालय को ज्ञान का केंद्र बनाना है, जहां कोई भी स्वतंत्र रूप से सीख सके. उनकी कहानी दर्शाती है कि समर्पण, त्याग और जुनून से बड़े से बड़े सपने भी साकार हो सकते हैं.

शरावती पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट

स्वच्छ ऊर्जा की ओर भारत का बड़ा कदम

बेंगलुरु. कर्नाटक में शरावती पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) को लेकर सार्वजनिक सुनवाई 16 और 18 सितंबर को प्रस्तावित है। बताया जाता है कि यह परियोजना देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी. माना जा रहा है यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और नेट जीरो 2070 लक्ष्य को भी मजबूती देगी. इस परियोजना के तहत 2500 मेगावॉट बिजली का उपयोग कर 2000 मेगावॉट उत्पादन होगा। इसे ऊर्जा संतुलन और ग्रिड स्थिरता बनाए रखने के लिए एक "विशाल बैटरी" कहा जा रहा है।

परियोजना के लिए बहुत ही कम वन और निजी भूमि की आवश्यकता होगी. साथ ही पूरे 60 वर्षों में सिर्फ 0.37 टीएमसी पानी की जरूरत होगी, जबकि शरावती नदी का वार्षिक प्रवाह 180220 टीएमसी है. वहीं, इस परियोजना को लेकर वन विभाग ने आश्वासन दिया है कि इस परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों में लुप्तप्राय प्रजातियों जैसे लायन-टेल्ड मकाक की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी.

विशेषज्ञों का मानना है कि यह सबसे सस्ती और प्रभावी बड़े पैमाने की ऊर्जा भंडारण तकनीक है, जहां पानी प्राकृतिक बैटरी की तरह काम करेगा. इस परियोजना में "वन नेशन, वन ग्रिड" के अंतर्गत पहले से मौजूद ट्रांसमिशन लाइन का ही उपयोग किया जाएगा. इस परियोजना को 13 केंद्रीय और स्वायत्त निकायों से विस्तृत अध्ययन के बाद मंजूरी मिल चुकी है. कुछ प्रक्रिया अभी चल रही है. जल्द ही इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2032-34 तक 82,000 मेगावॉट पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट स्थापित करने का लक्ष्य रखा है. वर्तमान में चीन 50,000 मेगावॉट, जापान 30,000 मेगावॉट और अमेरिका 25,000 मेगावॉट क्षमता के साथ आगे हैं. भारत को वैश्विक मानक हासिल करने के लिए इस दिशा में तेजी से काम करना आवश्यक है.

उज्जैन को बनाया जाएगा ग्लोबल स्पिरिचुअल सिटी

भोपाल. मध्य प्रदेश सरकार ने सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन को "ग्लोबल स्पिरिचुअल सिटी" के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। राजधानी भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को सबकी सहमति और सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए लैंड पूलिंग मॉडल सहित स्थायी अधोसंरचना निर्माण की दिशा में कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रयागराज महाकुंभ की तर्ज पर उज्जैन में भी स्थायी संरचनाएं विकसित करने पर बल दिया है, ताकि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले और भविष्य में हर सिंहस्थ आयोजन की तैयारियों को सरल बनाया जा सके। डॉ. यादव ने बताया कि 2028 में होने वाला सिंहस्थ मेला अब तक का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन होगा.

सुप्रिया का तंज

नासिक. एनसीपी (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने मंत्री गिरीश महाजन को विपक्ष को चुप कराने के लिए, चाहे कुछ भी हो जाए, भाजपा में शामिल होने की सलाह देने पर फटकार लगाई है। देश में लोकतंत्र है। कोई अत्याचार नहीं है। देश संविधान से चलता है, किसी की मर्ज़ी से नहीं। उन्होंने महाजन पर ईडी और सीबीआई से न डरने का आरोप भी लगाया। आगामी नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) द्वारा रविवार को यहा राज्यस्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। अगले दिन, सोमवार को, किसानों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए पार्टी अध्यक्ष शरद पवार की उपस्थिति में जिला कलेक्टर कार्यालय में आक्रोश मोर्चा आयोजित किया जाएगा।

सेंट्रल मुंबई में एल्फिंस्टन ब्रिज तोड़ने का काम शुरू

यातायात जाम की संभावना

मुंबई.

सेंट्रल मुंबई के ऐतिहासिक एल्फिंस्टन रोड रेलवे ब्रिज को तोड़ने का काम पिछले 48 घंटों से जारी है। यह कार्य आगामी 2 से 3 महीने तक चलेगा। ब्रिज की मरम्मत या पुनर्निर्माण के चलते परेल से करी रोड और दादर से प्रभादेवी तक भारी ट्रैफिक जाम की संभावना जताई जा रही है। एल्फिंस्टन रोड रेलवे ब्रिज अंग्रेजों के जमाने में बनाया गया था और यह दादर रेलवे स्टेशन से परेल के केईएम अस्पताल, टाटा अस्पताल और वाडिया अस्पताल आने वाले मरीजों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग था।

ब्रिज बंद होने के बाद अब यात्रियों और वाहन चालकों को परेल से प्रभादेवी और दादर जाने के लिए तिलक ब्रिज और करी रोड ब्रिज का उपयोग करना होगा, जिससे ट्रैफिक कंजेक्शन बढ़ने की संभावना है। इस बदलाव के कारण सेंट्रल मुंबई के यातायात संकट में और बढ़ोतरी होने की आशंका है।

एल्फिंस्टन रोड रेल ओवरब्रिज को शुक्रवार रात 11:59 बजे से बंद कर दिया गया है, जिससे अब लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने वाहन चालकों और यात्रियों से सलाह दी है कि वे समय निकालकर या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर इस अवधि में ट्रैफिक की असुविधाओं से बचें।

नया डबल-डेकर फ्लाईओवर बनाने का निर्णय, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने इस ब्रिटिशकालीन पुल को तोड़कर शिवड़ी-वर्ली कनेक्टर प्रोजेक्ट के तहत नया डबल-डेकर फ्लाईओवर बनाने का निर्णय लिया है. यह मुंबई का पांचवा ब्रिटिशकालीन पुल है, जिसे तोड़ा जा रहा है. इससे पहले सियोन आरओबी, कार्नाक ब्रिज, बेलसिस ब्रिज और री रोड ब्रिज ध्वस्त किये जा चुके हैं. अब वाहन चालकों को मुख्य रूप से टिलक ब्रिज (दादर) और करी रोड ब्रिज पर निर्भर रहना होगा, जो पहले से ही पीक ऑवर्स में जाम रहते हैं.

नतीजतन, मध्य मुंबई से गुजरने वाला सफर अब और लंबा और मुश्किल होगा. मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने एल्फिंस्टन ब्रिज बंद होने के बाद वैकल्पिक मार्ग तय किये हैं. दादर ईस्ट से दादर वेस्ट और दादर मार्केट जाने वालों को टिलक ब्रिज का उपयोग करना होगा.

नया एल्फिंस्टन ब्रिज कैसा होगा?

नया पुल डबल-डेकर फ्लायओवर होगा, जो सेनापति बापट रोड को डॉ. बीआर आंबेडकर रोड से जोड़ेगा.एक अतिरिक्त आर्म सीधे बांद्रा-वर्ली सी लिंक और मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) से जोड़ेगा. 27 मीटर ऊंचा यह पुल ईस्टर्न फ्रीवे, आंबेडकर रोड फ्लायओवर और रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा. 4.35 किमी लंबा सेवरी-वर्ली कनेक्टर 1,276 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है, जो एमटीएचएल से वर्ली का सफर लगभग 1 घंटे से घटाकर सिर्फ 10 मिनट कर देगा.

संभाजी महाराज की प्रतिमा दर्ज हुई लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में

पिंपरी-चिंचवड़. मोशी स्थित छत्रपति संभाजी महाराज की प्रतिमा को दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा के रूप में लंदन बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। संभाजी महाराज की यह प्रतिमा मोशी स्थित अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी केंद्र में स्थापित की जा रही है।

प्रतिमा का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यह प्रतिमा विधायक महेश लांडगे की संकल्पना पर आधारित है। हिंदू भूषण की प्रतिमा को ऐतिहासिक सलामी दी गई। तीन हज़ार ढोल, एक हज़ार ताशा और पांच सौ झंडियों की ध्वनि के साथ यह सलामी दी गई। इस अवसर पर पुरुषोचित खेलों ने ध्यान आकर्षित किया। चिखली स्थित संत पीठ के माध्यम से कीर्तन प्रस्तुत किया गया।

बंजारा एसटी विवाद पर आदिवासी सड़कों पर

शाहपुर. बंजारा समुदाय ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल होने की मांग शुरू कर दी है और अब आदिवासी समुदाय ने इसका विरोध भी शुरू कर दिया है। आदिवासी श्रमिक संघर्ष संघ और अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद ने ठाणे जिले के शाहपुर से मुंबई स्थित मंत्रालय तक एक मार्च निकाला था। यह मार्च सोमवार को मुंबई-नासिक राजमार्ग होते हुए ठाणे में दाखिल हुआ। इस दौरान राजमार्ग पर भारी जाम लगा रहा। हैदराबाद गजेटियर में बंजारा समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में आरक्षण देने की मांग ज़ोर पकड़ रही है। सोमवार को बंजारा समुदाय ने जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी ओर, आदिवासी समुदाय आरक्षण की मांग का विरोध कर रहा है।

अडानी पावर को एमपी से मिली नई ऊर्जा डील

अहमदाबाद. देश की सबसे बड़ी निजी थर्मल पावर कंपनी अडानी पावर लिमिटेड को मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड से 1600 मेगावाट क्षमता का पावर सप्लाई ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर हाल ही में पूरी हुई टेंडर प्रक्रिया के तहत जारी किया गया, जिसमें कंपनी को 800 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता 'ग्रीनशू ऑप्शन' के जरिए दी गई है। इससे पहले भी अडानी पावर को इसी टेंडर के तहत 800 मेगावाट की क्षमता का एलओए मिला था। अब तक आईपीएल को देशभर से कुल 7200 मेगावाट के ऑर्डर मिल चुके हैं। यह प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश के अनूपपुर ज़िले में स्थापित होगा और डिज़ाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट मॉडल पर विकसित किया जाएगा। दोनों यूनिट्स (800x2) को नियुक्ति की तारीख से 60 महीनों के भीतर चालू किया जाएगा।

कंपनी इस प्रोजेक्ट और उससे जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगभग 21,000 करोड़ का निवेश करेगी। यह भारत में किसी थर्मल टेंडर में 'ग्रीनशू ऑप्शन' के तहत क्षमता बढ़ाए जाने का पहला मामला है। अडानी पावर के सीईओ एस.बी. ख्यालिया ने कहा, यह ऑर्डर हमारे संकल्प को और मज़बूत करता है कि हम राज्य को विश्वसनीय, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करें। इस प्रोजेक्ट के निर्माण के दौरान 9,000-10,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है, जबकि संचालन शुरू होने के बाद लगभग 2,000 स्थायी नौकरियां उत्पन्न होंगी। कोयले की सप्लाई केंद्र सरकार की 'शक्ति नीति' के तहत होगी। अडानी पावर पहले ही उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार से बड़े पावर ऑर्डर हासिल कर चुकी है। कंपनी की मौजूदा ऑपरेशनल क्षमता 18.15 गीगावाट है और वह वित्त वर्ष 2031-32 तक 41.87 गीगावाट का लक्ष्य लेकर चल रही है।

खाद्य महंगाई ने बढ़ाई चिंता

सब्ज़ी-दाल से लेकर अनाज तक महंगे

नई दिल्ली.

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक महंगाई अगस्त में वार्षिक आधार पर -0.58 फीसदी से बढ़कर 0.52 फीसदी हो गई. ताज्जुब की बात तो ये है कि देश में थोक महंगाई अगस्त के महीने में 4 महीने के हाई पर पहुंच गई है. इससे पहले रॉयटर्स के एक सर्वे में अनुमान लगाया गया था कि खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मूल धातुओं के मैन्युफैक्चरिंग आदि की कीमतों में मामूली वृद्धि के कारण, थोक महंगाई यानी डब्लू पीआई अगस्त महीने में बढ़कर 0.30 फीसदी हो सकती है. इससे पहले सरकार की ओर से खुदरा महंगाई का डाटा रिलीज किया गया था. जिसमें महंगााई दर 2 फीसदी के पार चली गई थी.

आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से थोक महंगाई को लेकर किस तरह के आंकड़े जारी किए हैं. सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अगस्त 2025 में महंगाई में इजाफे का प्रमुख कारण खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य पदार्थों, अन्य गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और अन्य परिवहन उपकरणों आदि की कीमतों में इजाफा है. जुलाई में -2.15 फीसदी तक गिरने के बाद, थोक खाद्य महंगाई सालाना आधार पर बढ़कर 0.21 फीसदी हो गई. कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की थोक महंगाई अगस्त 2025 में -9.87 फीसदी बढ़ी, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में 1.77 फीसदी की वृद्धि हुई थी.

प्राथमिक वस्तुओं और मैन्युफैक्चरिंग में कीमतें बढ़ीं

प्राथमिक वस्तुओं के खंड में, अगस्त में महंगाई दर पिछले महीने के -4.95 फीसदी से बढ़कर -2.10 फीसदी हो गई. मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कीमतों में 2.55 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि पिछले महीने इसमें 2.05 फीसदी की गिरावट आई थी. ईंधन और बिजली की कीमतों में -3.17 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जुलाई में इसमें -2.43 फीसदी की गिरावट आई थी. सरकार ने भारत के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए.

घर गिफ्ट में मिला तो लग सकता है इनकम टैक्स

नई दिल्ली.

घर या प्रॉपर्टी गिफ्ट में मिलना अक्सर रिश्तों की मोहब्बत और अपनापन दिखाने का तरीका होता है. लेकिन क्या आपको पता है कि ऐसा तोहफा कभी-कभी इनकम टैक्स के झमेले में भी डाल सकता है? इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के मुताबिक, अगर आपको किसी से गिफ्ट में कोई अचल संपत्ति (जैसे जमीन, मकान या फ्लैट) मिलती है, तो कुछ खास हालात में उस पर टैक्स देना पड़ सकता है. यानी गिफ्ट में मिला घर हमेशा टैक्स फ्री नहीं होता. आइए विस्तार से समझते हैं कि किन मामलों में गिफ्ट में मिली प्रॉपर्टी पर टैक्स देना पड़ता है, और किन मामलों में नहीं. अगर ये प्रॉपर्टी आपको आपके किसी करीबी रिश्तेदार ने दी है, तो उस पर आमतौर पर टैक्स नहीं लगता. इनकम टैक्स के कानून में बताया गया है कि "रिश्तेदार" कौन-कौन होते हैं. इसमें शामिल हैं, आपका पति या पत्नी, आपके बच्चे, माता-पिता, भाई-बहन, दादा-दादी, पोता-पोती और यहां तक कि सास-ससुर, ननद-देवर जैसे रिश्ते भी. अगर इनमें से कोई भी आपको घर गिफ्ट करता है, तो उसकी वैल्यू कितनी भी हो आपसे टैक्स नहीं लिया जाएगा. अगर कोई व्यक्ति अपने नाम की प्रॉपर्टी अपनी पत्नी या बहू को बिना पैसे लिए गिफ्ट करता है, तो ये ट्रांजैक्शन टैक्स फ्री है लेकिनअगर उस प्रॉपर्टी से कोई आमदनी होती है, जैसे कि किराया तो उसका टैक्स उस महिला को नहीं, बल्कि उसी व्यक्ति को देना पड़ेगा जिसने गिफ्ट किया था. सरल भाषा में कहें तो, भले ही घर अब पत्नी या बहू के नाम हो गया हो, लेकिन किराये की कमाई पर टैक्स पति या ससुर को ही भरना होगा. इसे टैक्स की दुनिया में 'क्लबिंग' कहते हैं. यानी आय को असली मालिक के नाम में ही जोड़ना. ये नियम टैक्स कानून की धारा 64 के तहत आता है, जो साफ कहती है कि पत्नी या बहू को दी गई संपत्ति से जो भी कमाई होगी, उसका टैक्स उसी के नाम पर लगेगा जिसने वो संपत्ति दी थी.

सशक्त रिटेलर्स खुश ग्राहक, मोहल्ले में मना जश्न

मुंबई.

❑ माझा सोसाइटी उत्सव हो जाए' प्रतियोगिता स्थानीय दुकानदारों को समर्थन: वितरण और बिक्री बढ़ाने के लिए सपोर्ट कूलिंग पॉइंट्स की स्थापना: त्योहारों में पेय पदार्थों की निर्बाध आपूर्ति रोजगार और कमाई के अवसर: दुकानदारों और वितरकों को मिला बढ़ा लाभ...

महाराष्ट्र की गलियां, बाजार और मोहल्ले इन दिनों त्योहारों की रौनक से सराबोर हैं। इसी माहौल को और जीवंत बनाते हुए, कोका-कोला इंडिया अपने 'लोकली योर्स' अभियान के तहत समुदायों और स्थानीय दुकानदारों को सशक्त बनाने में जुटी है। यह पहल न केवल उपभोक्ताओं को ताजगी से भरपूर पेय उपलब्ध करा रही है, बल्कि मोहल्लों में एकता, अपनापन और उत्सव का वातावरण भी रच रही है। कंपनी ने स्थानीय दुकानों, बॉटलिंग पार्टनर हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज, और रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस के साथ मिलकर कूलिंग पॉइंट्स की स्थापना की है और दुकानों को अतिरिक्त मांग के लिए तैयार किया है। इस सहयोग के चलते उपभोक्ताओं को हर समय कोल्ड ड्रिंक उपलब्ध हो रहा है, जिससे जश्न के पल और भी खास बन रहे हैं।

कोका-कोला इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट करण अचपाल ने कहा, हम उपभोक्ताओं के हर जश्न का हिस्सा बनकर खुश हैं। हमारा मकसद न सिर्फ़ ताजगी पहुंचाना है, बल्कि हमारे बिजनेस इकोसिस्टम में शामिल दुकानदारों और वितरकों को कमाई के अवसर भी देना है। हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज के चीफ़ कमर्शियल ऑफ़िसर विनय नायर ने बताया कि कंपनी अपने वितरण नेटवर्क को मज़बूत कर रही है ताकि ग्राहकों को बिना किसी परेशानी के उत्पाद मिल सकें।

त्योहारों के इस मौसम में कोका-कोला की पहलें न सिर्फ़ ब्रांड की मौजूदगी को बढ़ा रही हैं, बल्कि मोहल्लों और समुदायों को एकजुट कर रही हैं। दुकानदारों की जुबानी ये बदलाव साफ़ नज़र आते हैं, जब दुकानें सिर्फ बिक्री का नहीं, बल्कि मिलन का केंद्र बन जाती हैं।

सैमसंग ने लॉन्च किये नए फ्लोरल डिजाइन वाले सिंगल डोर फ्रिज

मुंबई.

सैमसंग, भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज 183 लीटर क्षमता वाले नई सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर रेंज का अनावरण किया है। यह रेंज खासतौर पर उन भारतीय परिवारों के लिए डिज़ाइन की गई है जो किफायती, स्टाइलिश और भरोसेमंद फ्रिज की तलाश में हैं। नई रेंज में आठ मॉडल शामिल हैं, जो दो आकर्षक फ्लोरल डिजाइनों बेगोनिया और वाइल्ड लिली में उपलब्ध हैं। ये फ्रिज लाल और नीले रंगों में 3 स्टार और 5 स्टार एनर्जी रेटिंग के साथ बाजार में पेश किए जाएंगे। फ्लोरल पैटर्न के साथ ये फ्रिज न केवल आपकी रसोई की खूबसूरती बढ़ाते हैं, बल्कि उनके स्लीक ग्रैंडे डोर और बार हैंडल डिज़ाइन से प्रीमियम अनुभव भी मिलता है। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा, हमारी इस नई सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर रेंज के साथ, हम भारतीय ग्राहकों को एक ऐसा प्रोडक्ट दे रहे हैं जो डिज़ाइन और प्रदर्शन दोनों में बेहतरीन है। फ्लोरल पैटर्न भारतीय परिवारों के बीच काफी लोकप्रिय हैं और यह रेंज स्टाइल, सुविधा और लंबे समय तक भरोसेमंद काम का वादा करती है। डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर: 20 साल की वारंटी के साथ, यह कंप्रेसर ऊर्जा दक्षता और शांति से चलने का भरोसा देता है। वोल्टेज में उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थिर प्रदर्शन कम बिजली की खपत और लंबी उम्र के साथ फ्रिज के अंदर बेहतर रोशनी। 175 किलोग्राम तक वजन सहन करने में सक्षम, भारी बर्तनों के लिए उपयुक्त। चुनिंदा मॉडलों में 11.8 लीटर अतिरिक्त स्टोरेज, प्याज, आलू जैसे सामान के लिए। नई सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर रेंज की शुरुआती कीमत 3 स्टार मॉडल के लिए 19,999 और 5 स्टार मॉडल के लिए 21,999 रखी गई है। सैमसंग की यह पहल आधुनिक सौंदर्य, बेहतरीन प्रदर्शन और टिकाऊपन के साथ भारतीय घरों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये फ्रिज रोज़मर्रा के जीवन को न केवल आसान बल्कि स्टाइलिश भी बनाते हैं।

सोने के दामों में गिरावट, खरीददारों के लिए सुनहरा मौका

नई दिल्ली.

भारत में सोने और चांदी की कीमतें निवेशकों के साथ-साथ आम जनता के लिए भी महत्वपूर्ण होती हैं, खासकर तब, जब त्योहारों का मौसम नजदीक आता है. इस बीच सोमवार, 15 सितंबर 2025 को सोने की कीमतों में थोड़ी गिरावट देखी गई, जबकि चांदी की कीमतों में मामूली तेजी रही. चलिए, आज के बाजार की हालत, आपके शहरों में सोने के भाव और आने वाले त्योहारों के मद्देनजर सोने-चांदी की मांग पर एक नजर डालते हैं. एमसीएक्स पर सोने का अक्टूबर वायदा आज सुबह 0.06 प्रतिशत गिरकर 1,09,308 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था. यह कीमत पिछले हफ्ते 9 सितंबर को 1,09,840 रुपए तक पहुंची थी, जो कि रिकॉर्ड हाई था.

वहीं चांदी के दिसंबर वायदे ने मामूली बढ़त के साथ 1,28,983 रुपए प्रति किलोग्राम की कीमत दर्ज की. अगामी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और श्रम बाजार के कमजोर आंकड़ों के चलते ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है, जिससे सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे. त्योहारों के मौसम की वजह से सोने की मांग में तेजी आने वाली है, इसलिए अगर आप निवेशक हैं तो सोने को पोर्टफोलियो में शामिल करने का सही समय हो सकता है. सितंबर के महीने से भारत में त्योहारों का सीजन शुरू हो जाता है जैसे कि दिपावली, नवरात्रि और करवा चौथ. इन त्योहारों में सोने की मांग आमतौर पर बढ़ जाती है क्योंकि सोना शुभ माना जाता है और लोग इसे गिफ्ट या निवेश के रूप में खरीदते हैं. इसलिए आमतौर पर भारत में फेस्टिव सीजन और उसके बाद शादियों के सीजन में सोने की मांग बढ़ जाती है.

यूपीआई के नए नियम लागू

> अब 10 लाख तक होगी पेमेंट की लिमिट

नई दिल्ली. यूपीआई का इस्तेमाल करने वाले सभी यूजर्स के लिए बड़ी खबर है. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई पेमेंट से जुड़े नियमों में बदलाव किया है. 15 सितंबर से यूजर्स 10 लाख रुपये तक की पेमेंट डेली कर पाएंगे. पहले यह लिमिट 2 लाख रुपये तक थी. ज्वैलरी खरीदने की लिमिट भी बढ़ गई है. आइए डिटेल में यूपीआई के नए नियमों को समझते हैं साथ ही यह भी जानेंगे कि किस कैटेगरी के लिए कितनी लिमिट तय की गई है.

यूपीआई में हुए बदलावों का सीधा असर आम आदमी पर देखने को मिलेगा. क्योंकि, ये सुधार आम व्यापारी, क्रेडिट कार्ड पेमेंट और ज्वैलरी खरीद से जुड़े हुए हैं. कैटेगरी वाइज लिमिट को बढ़ाया गया है. लेकिन ध्यान रहे कि सभी तरह की पेमेंट की लिमिट नहीं बढ़ी है. यूपीआई के जरिए पेमेंट करने की लिमिट को सरकार ने कुछ खास पर्सन-टू-मर्चेंट लेनदेने के लिए बढ़ाया है और पर्सन-टू-पर्सन पेमेंट वाली लिमिट में कोई बदलाव नहीं किया है. यह पहले की तरह 1 रुपये ही रहेगी. लिमिट पी-टू-एम में किस कैटेगरी में कितनी बढ़ी है इसको जानने से पहले यह समझना जरूरी है की ये पी 2 एम और पी 2 पी आखिर क्या है. पर्सन-टू-मर्चेंट का सीधा सा मतलब यह है कि कोई इंसान किसी व्यापारी को जो पेमेंट करता है.

इसकी लिमिट पहले 2 लाख एक दिन में थी अब वह 10 लाख रुपये हो गई है. इसके अलावा जब एक व्यक्ति किसी दूसरे इंसान को सीधे पैसे भेजता है तो उसे पी-टू-पी कहते हैं. इसकी लिमिट पहले भी 1 लाख रुपये थी और अब भी 1 लाख रुपये ही है.

बिहार को मिलेगी 2400 मेगावाट बिजली

अहमदाबाद. भारत की सबसे बड़ी निजी थर्मल पावर उत्पादक कंपनी, अडानी पावर लिमिटेड (एपीएल) ने बिहार स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 वर्षों के लिए पावर सप्लाई एग्रीमेंट (पीएसए) किया है। इस समझौते के तहत कंपनी भागलपुर जिले के पीरपैंती में बनने वाले नए अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्लांट से 2,400 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करेगी। यह समझौता अगस्त में बीएसपीजीसीएल द्वारा एपीएल को दिए गए एलओए का अगला चरण है। यह प्रोजेक्ट उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और दक्षिण बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) की ओर से जारी किया गया था। अडानी पॉवर ने 6.075 रुपए प्रति यूनिट की सबसे कम दर पेश करके यह प्रोजेक्ट हासिल किया है। करीब 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपए) की लागत से कंपनी इस प्लांट और उससे जुड़ी आधारभूत संरचना का निर्माण करेगी। यह प्रोजेक्ट डिज़ाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट (डीबीएफओओ) मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। इस पॉवर प्लांट के लिए कोयले की आपूर्ति का इंतज़ाम भारत सरकार की 39;शक्ति नीति 39; के तहत किया गया है। परियोजना के निर्माण चरण में लगभग 10 से 12 हज़ार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार मिलेगा, जबकि संचालन शुरू होने पर करीब 3,000 लोगों को स्थायी रोजगार प्राप्त होगा। कंपनी का लक्ष्य है कि इस पूरे प्लांट को अगले 60 महीनों के भीतर पूरी तरह चालू कर दिया जाए।

यस बैंक की डील से टैक्स में राहत

नई दिल्ली. एसबीआई और सात निजी बैंकों एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, फेडरल बैंक और बंधन बैंक ने संयुक्त रूप से 21.50 रुपए प्रति शेयर की दर से 20 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. इन बैंकों ने 2020 में 10 रुपए प्रति शेयर की दर से शेयर खरीदे थे. समझौते के तहत, एसबीआई अपनी 24 फीसदी हिस्सेदारी में से 13.19 फीसदी हिस्सेदारी 8,889 करोड़ रुपए में बेचेगा, जबकि बाकी सात बैंक 4,594 करोड़ रुपए में 6.81 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे.अगर टैक्स में छूट नहीं मिलती तो इन 8 बैंकों को 12.5 फीसदी लॉन्गटर्म कैपिटल गेन टैक्स का का भुगतान करना पड़ता. यह धारा यस बैंक रीकंस्ट्रक्शन स्कीम में उन बैंकों के लिए सौदे को आसान बनाने के लिए जोड़ी गई थी जो बैंक को बचाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक पूंजी निवेश में भाग लेने से हिचकिचा रहे थे. योजना में कहा गया है कि निवेशक बैंक और इस योजना के तहत रीस्ट्रक्चर्ड बैंक के शेयरों में निवेश करने वाले निवेशक, ऐसे निवेशों से होने वाले किसी भी कथित लाभ या प्राप्ति पर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कैपिटल गेन टैक्स का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे. यस बैंक का ट्रांजेक्शन सेलिंग बैंकों के लिए एक राहत की तरह है क्योंकि उनमें से अधिकांश के शुद्ध ब्याज मार्जिन में कुछ कमी आने की संभावना है क्योंकि वे नीतिगत दरों में कटौती का लाभ उधारकर्ताओं को दे रहे हैं. बॉन्ड सील्ड में वृद्धि के कारण फिस्कल बेनिफिट में भी कमी आने की उम्मीद है. इस बात की भी चिंता है कि जीएसटी स्लैब में कटौती से फिस्कल डेफिसिट बढ़ सकता है और साथ ही तत्काल दरों में कटौती की कोई उम्मीद नहीं है. एसबीआई, जिसने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 19,160 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था, को सबसे अधिक लाभ होगा.

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

अजित पवार पर भड़के राउत

पवार पर ज़ुबानी वार

मुंबई.

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर देशभर में विरोध देखने को मिला. खास तौर पर महाराष्ट्र में शिवसेना ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया. इसी बयानबाजी में संजय राउत ने एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर हमला बोला है. उन्होंने एक बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अजित पवार 'मूर्ख नेता' हैं, इसके साथ ही वे आधे पाकिस्तानी हैं. संजय राउत ने अजित पवार को लेकर ये बात भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को कही है. पवार ने एक बयान में कहा था कि मैच को खेल के नजरिए से देखना चाहिए. इसमें राजनीति नहीं की जानी चाहिए. इसी बयान पर राउत ने पलटवार करते हुए कहा कि इस तरह की सोच इनकी देशभक्ति दर्शाती है और आतंकवाद के पीड़ितों के दर्द को नजरअंदाज करती है. अजित पवार ने कहा था, देश की आबादी 140 करोड़ है. इतने बड़े देश में क्रिकेट मैच को लेकर मतभेद होना स्वाभाविक है. कुछ लोगों को लग सकता है कि चूंकि दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं, इसलिए मैच नहीं होना चाहिए. वहीं, कुछ लोग इस खेल का समर्थन भी कर सकते हैं. हालांकि मैच को राजनीति की भावना से न देखकर खेल की भावना से देखना चाहिए. एशिया कप क्रिकेट मैच से पहले, शिवसेना (यूबीटी) ने रविवार को महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और जम्मू के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया. लोगों से आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच का बहिष्कार करने की अपील की थी. इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के नेताओं ने दिल्ली में प्रदर्शन किया. लोगों का भी विरोध देखने को मिला. मीडिया से बातचीत के दौरान संजय राउत ने एक सवाल के जवाब में कहा, वह एक मूर्ख राजनेता हैं. वह आधे पाकिस्तानी हैं. अगर अजित पवार ऐसा कहते हैं, तो उनमें पाकिस्तानी खून बहता है. यह भाषा किसी देशभक्त नागरिक की नहीं है. अगर आपके परिवार का कोई सदस्य पहलगाम (आतंकवादी) हमले के 26 पीड़ितों में शामिल होता, तो आप ऐसा नहीं कहते.

भारतीय सिंगर को समझा पाकिस्तानी

पुणे.

राज्य के पुणे में यरवदा के कल्याणीनगर स्थित पब बॉलर में रविवार को नीदरलैंड के नागरिक और सिंगर इमरान नासिर खान का एक कार्यक्रम होना था. सोशल मीडिया पर यह खबर फैल गई कि सिंगर पाकिस्तानी नागरिक है तो इसके बाद फिर पब में बड़ा हंगामा हो गया. यहां हिंदू संगठनों और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के कार्यकर्ताओं ने सिंगर इमरान नासिर खान को बुलाए जाने और भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच की स्क्रीनिंग करने का आरोप लगाया गया है, जिसके बाद फिर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और पुलिस को स्थिति को काबू करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी.कल्याणी नगर स्थित एक पब में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें पाकिस्तानी गायक को बुलाए जाने की बात सामने आई. इसके साथ ही यहां भारत पाकिस्तान क्रिकेट मैच की स्क्रीनिंग भी रखी गई थी. जैसे ही इसकी खबर हिंदू संगठनों और शिवसेना कार्यकर्ताओं को लगी तो वो बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए और उसके बाद फिर उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया.

यरवदा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र शेलके के अनुसार, यरवदा के कल्याणीनगर स्थित पब बॉलर में रविवार को नीदरलैंड के नागरिक और कलाकार इमरान नासिर खान का एक कार्यक्रम होना था. सोशल मीडिया पर यह खबर आने पर कि सिंगर पाकिस्तानी नागरिक है तो कुछ संगठन कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने के लिए होटल बॉलर में जमा हो गए. इस मामले में 14 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया है.

दिनदहाड़े घर में घुसे लुटेरे, महिला से छीनी चेन

नासिक. राज्य के नासिक शहर से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. यहां दिनदहाड़े दो अज्ञात बदमाश एक घर में घुसे और महिला को निशाना बनाते हुए लूटपाट की. बदमाश महिला के गले से सोने की चेन झपटकर मौके से फरार हो गए. यह पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 4 बजे की है. वीडियो में देखा जा सकता है कि दो अज्ञात बदमाश पहले महिला की मदद करने के लिए सीढ़ियों से चढ़कर घर के पास तक आए फिर महिला का बाहर रखा सामान अंदर रखवाए और पीने के लिए पानी मांगा.

शिरोल तालुका के खेत पानी से लबालब

कोल्हापुर. कोल्हापुर जिले में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश हुई। रविवार दोपहर शिरोल तालुका में भारी बारिश हुई। भारी बारिश से व्यापारियों, वाहन मालिकों और नागरिकों को काफी परेशानी हुई। इस बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया और वातावरण में ठंडक का एहसास हो रहा है। जिले में पिछले दो दिनों से बादल छाए हुए हैं। इस वजह से धूप भी नहीं निकली। रविवार सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे। दोपहर में कोल्हापुर जिले के कई इलाकों में भारी बारिश हुई। हातकणंगले और शिरोल तालुका में जमकर बारिश हुई। दो घंटे तक हुई इस बारिश से हर तरफ पानी ही पानी हो गया। कई गांवों में नालियां उफान पर थीं और सड़कें पानी से भर गई. गणेश उत्सव के बाद बारिश कम हो गई थी।

कबूतरों की सेवा में मुंबई पहला कबूतरखाना हुआ शुरू

मुंबई.

राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री और बेजेपी नेता मंगल प्रभात लोढ़ा ने रविवार को नए कबूतरखाने का उद्घाटन किया. यह कबूतरखाना संजय गांधी नेशनल पार्क में स्थित तीन मूर्ति जैन मंदिर के पास बना है. कबूतरखाने के लिए जगह दिगांबर जैन समुदाय की ओर से दी गई है. उद्घाटन के दौरान मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हर वॉर्ड में ऐसा ही एक अधिकृत कबूतरखाना खोला जाए. हर वॉर्ड में यह सुविधा होनी चाहिए. मुंबई में कबूतर और उन्हें दाने खिलाने को लेकर बड़ा मुद्दा खड़ा हो गया है, जिसे सुलझाने की शुरुआत यहां से की जा रही है. मंत्री ने आगे कहा कि जब शहर भर में कबूतरों के दाना-

पानी के स्थान बंद किए जा रहे थे, तब जैन समुदाय ने अपनी ज़मीन पर कबूतरखाना बनाने के बड़ा कदम उठाया. दिगंबर जैन समुदाय के पास नेशनल पार्क क्षेत्र में 9 एकड़ जमीन है जहां सभी पशु-पक्षी आज़ादी से घूम सकते हैं. मंत्री मंगल प्रभात ने बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा कबूतरखानों को बंद करने के आदेश के बाद, कबूतरखानों के लिए एक कानूनी रास्ता खोज लिया गया है. यह हमेशा गर्व की बात होगी कि कोर्ट के निर्देश के बाद यह मुंबई की पहली ऐसी सुविधा है.

मुंबई पर बारिश का कहर, रेड अलर्ट जारी

मुंबई.

मुंबई समेत पूरे राज्य में भारी बारिश हो रही है. बारिश ने लोगों का जन जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है. रात भर बारिश जारी रहने से कुछ इलाकों में और सड़कों पर जलभराव हो गया है. सड़कें तालाब बन गई हैं. बारिश का असर मुबंई की लोकल सेवा पर देखने को मिल रहा है. इस बारिश से लोकल ट्रेनें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं. रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है. इस समय मुंबई समेत ठाणे और रायगढ़ के लिए तीन घंटे का रेड अलर्ट जारी किया गया है. मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी है. मुंबई में बीती रात रुक-रुककर हुई बरसात से कई सड़कों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी है. सोमवार को कामकाजी दिन होने से बरसात और ट्रैफिक जाम की डबल मार लोगों पर पड़ रही है.

ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों को खासी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं. खराब सड़कें, अधूरे काम और सिग्नल व्यवस्था ने स्थिति और बिगाड़ दी है.

वहीं महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में अगले दो से तीन दिनों तक मेघगर्जना और तेज हवाओं के साथ भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है. पश्चिमी घाट क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. भारी बारिश के असर से मध्य, वेस्टर्न और हार्बर लाइन की लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं. मध्य रेल्वे लोकल 10-15 मिनट लेट है. फास्ट ट्रेनें 15 मिनट और स्लो ट्रेनें सात मिनट लेट हैं. वेस्टर्न रेल्वे पर विरार चर्चगेट लोकल 5-7 मिनट देरी से चल रही है. हार्बर लाइन पर नेरुलसीएसएमटी लोकल 6-7 मिनट की देरी से चल रही है.

आज का राशिफल

मेष – मेष राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप अपने करियर को लेकर नए से जोश और उत्साह का अनुभव करेंगे।

वृषभ – वृषभ राशि वालों को आज अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। रिलेशिनशिप में गलतफहमियां पैदा न होने दें।

मिथुन – मिथुन राशि वालों के करियर में कुछ अनिश्चित बदलाव हो सकते हैं। जो आपके लिए कुछ रोमांचक और नए अवसर लेकर आ सकता है।

कर्क– कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा कहा जा सकता है। जीवन में चली आ रही परेशानियां दूर होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह – सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। आपके ऊपर अधिक जिम्मेदारियां आ सकती हैं या आप एक नए करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या – कन्या राशि वालों के दिन अच्छा रहेगा। करियर में तरक्की के कई मौके मिलेंगे। दूसरों के साथ मिलकर काम करने से आप अधिक सफलता हासिल कर सकते हैं।

तुला – तुला राशि वाले आज अधिक मेहनत करेंगे। मेहनत का फल जरूर मिलेगा। आप अपने करियर को लेकर अधिक महत्वाकांक्षी महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक– आपके लिए यह दिन बड़े बदलावों वाला हो सकता है। रिस्क ले सकते हैं। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साहसिक कदम उठाएं।

धनु – आज का दिन धनु राशि वालों के लिए शुभ रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में सफलता मिलेगी। करियर को आगे बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे।

मकर – मकर राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। इस समय निवेश न करें।

कुंभ – कुंभ राशि वालों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता होगी। कम्युनिकेशन स्किल्स का फायदा उठाएं। अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से व्यक्त करें।

मीन – आपके जीवन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। यह दिन आपके लिए काफी रोमांचक हो सकता है। यह दिन नर्वस करने वाला भी हो सकता है।

सस्पेंड आईएएस पूजा खेड़कर की मां विवादों में

पुणे.

निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा खेड़कर के परिवार को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है. पुलिस ने अपहरण से जुड़े एक मामले में उनके परिवार की गाड़ी के इस्तेमाल को लेकर मामला दर्ज किया है. मिक्सर ट्रक चालक को अगवा किए जाने के मामले में ये कार्रवाई की गई है. पुलिस ने चालक को बरामद कर लिया है, जबकि खेड़कर की मां मनोरमा खेड़कर पर पुलिस कार्य में बाधा डालने का आरोप लगा है सस्पेंड आईएएस प्रोबेशनरी अधिकारी पूजा खेड़कर का परिवार अब नए विवाद में घिर गया है. रबाले पुलिस ने अपहरण से जुड़े एक मामले में उनके परिवार की गाड़ी के इस्तेमाल को लेकर केस दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर 2025 की शाम करीब 7 बजे 22 साल के प्रल्हाद कुमार अपनी मिक्सर ट्रक चला रहा था. आरोप है कि इस मामूली दुर्घटना के बाद कार सवार दो लोगों ने प्रल्हाद कुमार को जबरन अपने वाहन में बैठाया और उसे अगवा कर लिया. पीड़ित की शिकायत पर रबाले पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है. जांच के दौरान कार का पता पुणे में पूजा खेड़कर के आवास पर चला. पुलिस ने वहां से अपहृत चालक को सुरक्षित मुक्त कराया जिसके बाद अब ये केस दर्ज किया गया है. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरान पूजा खेड़कर की मां मनोरमा खेड़कर ने टीम के साथ दुर्व्यवहार भी किया और उन्होंने दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया. उन पर सरकारी काम में बाधा डालने का भी आरोप है. अब उन्हें इस मामले में पुलिस स्टेशन में पेश होने के निर्देश दिए गए हैं.

बाढ़ के खतरे से घिरा बीड़ खेत डूबे

बीड़.

राज्य के बीड़ जिले में भारी बारिश की वजह से जनजीवन पूरी तरह से ठप हो चुका है. पिछले 24 घंटों से बीड़ के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से कडा गांव पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. इतना ही नहीं, कडा में 40 से ज्यादा लोग पानी में फंसे होने की वजह से मुश्किल में हैं.

जलस्तर बढ़ने के कारण इन लोगों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है. बीड़ के जिलाधिकारी और आष्टी के विधायक सुरेश धस कडा जाकर रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा ले रहे हैं. आर्मी की टीम लोगों को रेस्क्यू कर रही है. पानी का संकट देखकर सरकार ने पुणे से एक एनडीआरएफ की टीम आष्टी तहसील के लिए रवाना कर दी है. आष्टी में जो 44 लोग पानी में फंसे हुए हैं, उनमें से 11 लोग कडा गांव में है. सोभा निमगाव में 14, पिंपरी में 4, पिंपरखेड में 6, धानोरा में 3 और डोंगरगण में भी 3 लोग फंसे हुए हैं.

आष्टी के कडा गांव के कई घर नदी के पास बसे हुए हैं. भारी बारिश की वजह से अचानक जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया. लोग पानी कम होने की राह देख रहे थे लेकिन उल्टा बारिश की वजह से नदी उफान पर आ गई और लोग घर में ही फंस गए. पानी का संकट गहरा होते देख लोगों ने अपने घरों की छत पर आसरा लिया हुआ था.

महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.
(आकाशवाणी चौक, सिव्हील लाईन, नागपूर पिन कोड- ४४०००१)
तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.
Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६११७५
क.ली./प्रस्तु- २/तह. नाग (शहर)/कावि ५४१/२०२५
दिनांक २५/०८/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, २) मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, ३) मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, ४) फातमा बी मोहम्मद ईस्माईल, रा. पुराना बोरीयापुरा, फुटबॉल ग्राऊड मोमीनपुरा अंसार नगर, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक १६/०६/२०२५

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार फातमा बी मोहम्मद ईस्माईल, रा. पुराना बोरीयापुरा, फुटबॉल ग्राऊड मोमीनपुरा अंसार नगर, नागपूर यांनी मुलाच्या जन्माची नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू मो. इरफान हयाचा जन्म दिनांक ३१/०१/१९८९ रोजी राहत्या घरी राना बोरीयापुरा, फुटबॉल ग्राऊड मोमीनपुरा, अंसार नगर, नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे जन्माचे प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा जन्म बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास जन्म बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित जन्म नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का — तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर करीता

Prasanna Publicity 09326927622

जाहीर सुचना

जाहीर सूचना प्रकाशित करण्यात येत आहे.की दामोधर दत्तुजी कुरडकर वय 65 वर्ष रा. श्रीकृष्ण मंदिर वार्ड नं.4 टेकाडी ता. पारशिवनी, जिल्हा नागपूर पिन कोट न. 441404 यांचे सोमवारी दिनांक 7/9/2020 ला सकाळी 7.30 वाजता अल्पआजारा मुळे यांचे निधन झाले. असुन त्यांचा नावानी असलेली MAHINDRA 575 DI TRACTOR रेड कलर ची चारचाकी गाडी क्रमांक MH-40-L-4152, CHASSIS नंबर - NATL 2638, ENGINE नंबर - NATL 2638, असून सदर गाडी दामोधर दत्तुजी कुरडकर यांच्या नावाची गाडी त्यांच्या पत्नी सौ. बेबीबाई दामोधर कुरडकर वय 65 वर्ष रा. श्रीकृष्ण मंदिर वार्ड नं.4 टेकाडी ता. पारशिवनी, जिल्हा नागपूर पिन कोट न. 441404 यांच्या नावाने करायची आहे. तरी यावर कोणाचे ओझर किंवा आक्षेप असल्यास 15 दिवसाच्या आत त्यांनी खालील पत्त्यावर व मोबाईल नंबर वर संपर्क साधावे ही विनंती.

संपर्कः चंद्रशेखर दामोधर कुरडकर
रा.श्रीकृष्ण मंदिर वार्ड नं.4 टेकाडी ता. पारशिवनी, जिल्हा नागपूर
मो. 7798394623

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञापन हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

अपनी ज़िन्दगी में वही इंसान कामयाब है, जिसे टूटे को बनाना और रूठे को मनाना आता है.

संपादकीय

सोशल मीडिया की लत के खतरे से बचने की जरूरत

सोशल मीडिया के खतरों को लेकर पिछले सालों में विभिन्न स्तरों पर चेतावनियां दी जा रही हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक के बारे में यह लगातार कहा जा रहा है कि मोबाइल तथा अन्य डिजिटल डिवाइस पर लगातार चिपके रह कर आभासी दुनिया में खोए रहने व लत की हद तक पहुंचने में स्वास्थ्य से जुड़ीं कई गंभीर समस्याएं पैदा हो जाएंगी। सोशल मीडिया की लत को बीमारी मानकर उपचार की गाइड लाइन तय करने की पीजीआई चंडीगढ़ की तैयारी को भी इन्हीं खतरों से जोड़कर देखा जाना चाहिए। पीजीआई का मानना है कि इस गाइड लाइन के जरिए खास तौर से बच्चों और उनके अभिभावकों को डिजिटल दुनिया की जटिलताओं को समझने व उनसे निपटने में आसानी रहेगी। इससे पहले भी कई अध्ययनों में यह बात सामने आ चुकी है कि सोशल मीडिया की लत व्यक्ति को कई मानसिक और शारीरिक परेशानियां पैदा करने वाली हो रही हैं। खास तौर से नई पीढ़ी में अवसाद, चिंता व अकेलेपन की समस्याएं परिवारों के लिए बड़े खतरे के रूप में सामने आ रही है। बड़ी चिंता यह भी कि आभासी दुनिया के इस दौर में व्यक्ति असली दुनिया के रिश्तों तक की अनदेखी करने लगता है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पाया है कि जो बच्चे अपने सोशल मीडिया अकाउंट को बार-बार चेक करते हैं, उन्हें मस्तिष्क संबंधित विकारों का खतरा रहता है। मोबाइल और सोशल मीडिया की लत से बच्चों में एंजाइटी और ईटिंग डिसऑर्डर जैसी समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस साल की शुरुआत में ही एक केस की सुनवाई करते हुए कहा था कि बच्चों का ऑनलाइन गेम एडिक्शन आने वाले समय में ड्रग्स और मादक पदार्थों की लत की तरह ही साबित होगा। इससे मानसिक और शारीरिक सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं। कोर्ट का मानना था कि यह जरूरी है कि इस पर कोई कानून लाया जाए। जाहिर है सबसे बड़ी जरूरत इंटरनेट व सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लत की हद तक ले जाने से रोकना है। वर्चुअल दुनिया में लाइक्स, कमेंट्स व फॉलोअर्स की चाहत व स्क्रीन पर बढ़ता समय डिजिटल लत ही है जो धूम्रपान और मादक पदार्थों के सेवन की लत की तरह खतरा बनकर सामने आ रही है। इस लत से छुटकारा पाने के लिए लोग अस्पतालों की शरण में पहुंचने लगे हैं। भारत में सोशल मीडिया की लत सचमुच बड़ी समस्या के रूप में उभरने वाली है। दक्षिण कोरिया जैसा देश जो सबसे ज्यादा डिजिटल रूप से जुड़ा है, उसने भी पिछले दिनों ही पढ़ाई के दौरान कक्षाओं में मोबाइल व डिजिटल डिवाइस पर पाबंदी के लिए कानून बनाया है। जिस तरह की तस्वीर सामने आ रही है, उसे देखते हुए नशा निवारण की तरह ही सोशल मीडिया के खतरों से भी लोगों को अवगत कराने के लिए अभियान चलाना जरूरी हो गया है।

संविधान निर्माण में मुस्लिम दूरदर्शी: समावेशी भारत के निर्माता

अंशा वारसी
फ़्रांसीसी और पत्रकारिता अध्ययन, जामिया मिलिया इस्लामिया।

भारतीय संविधान का निर्माण केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि विभिन्न समुदायों के बीच एक नैतिक समझौता था, जो औपनिवेशिक काल के साझा बलिदानों और एक संप्रभु, समावेशी राष्ट्र के साझा स्वप्न से बुना गया था। ऐसे समय में जब उपमहाद्वीप विभाजन और एकीकरण के चौराहे पर खड़ा था, कई मुस्लिम नेताओं ने सांप्रदायिक अलगाव के बजाय संवैधानिक लोकतंत्र का रास्ता चुना। संविधान सभा में उपस्थित ये दूरदर्शी, संविधान में धर्मनिरपेक्षता, न्याय और समान अधिकारों को स्थापित करने वाले कानूनी ढाँचे के निर्माता बने। वे केवल मूक भागीदार ही नहीं थे, बल्कि एक आधुनिक, बहुलवादी भारत के सक्रिय निर्माता थे। उनका योगदान हमें याद दिलाता है कि भारत की अवधारणा कभी किसी एक धर्म या विचारधारा से नहीं, बल्कि स्वतंत्रता और एकता के प्रति साझा प्रतिबद्धता वाले विचारों के सहयोग से बनी थी।

इन दूरदर्शी नेताओं में सबसे प्रमुख थे मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, जो एक महान विद्वान, स्वतंत्रता सेनानी और स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे। संविधान सभा में उनकी उपस्थिति प्रतीकात्मक और वास्तव में प्रभावशाली दोनों थी। एक कट्टर मुसलमान और एक कट्टर राष्ट्रवादी, आज़ाद ने लंबे समय से द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को खारिज कर दिया था। अपने भाषणों में, उन्होंने बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत का भाग्य धार्मिक अलगाव पर नहीं, बल्कि साझा इतिहास, आपसी सम्मान और साझा भविष्य पर आधारित हो सकता है। आज़ाद के बौद्धिक कद और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता ने संविधान के कई महत्वपूर्ण प्रावधानों को प्रभावित किया। उन्होंने अनुच्छेद 25, जो धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, और अनुच्छेद 30, जो अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार देता है, का पुरज़ोर समर्थन किया। ये केवल संवैधानिक प्रावधान नहीं थे, बल्कि नैतिक आश्वासन भी थे, खासकर उन मुसलमानों के लिए जिन्होंने विभाजन के बाद भारत में रहने का फैसला किया।

आज़ाद ने भारत की शिक्षा नीति को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षा मंत्री के रूप में, उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIT) की स्थापना की और सभी जातियों और समुदायों में वैज्ञानिक विचारों और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देना सुनिश्चित किया। उनके लिए, किसी राष्ट्र की प्रगति न केवल संवैधानिक सिद्धांतों पर, बल्कि शिक्षित नागरिकों पर भी निर्भर करती है। उन्होंने एक बार प्रसिद्ध रूप से कहा था: "हृदय से दी गई शिक्षा समाज में क्रांति ला सकती है।"

संविधान सभा में एक अन्य महत्वपूर्ण मुस्लिम हस्ती बेगम ऐज़ाज़ रसूल थीं, जो इस ऐतिहासिक संस्था की एकमात्र मुस्लिम महिला सदस्य थीं। उनकी उपस्थिति ने ही एक गहन पितृसत्तात्मक समाज में व्याप्त रूढ़ियों को चुनौती दी और बाधाओं को तोड़ा। बेगम रसूल महिला अधिकारों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की एक उत्साही समर्थक थीं। उनकी आवाज़ ने एकात्मक चुनाव प्रणाली स्थापित करने के संकल्प को मज़बूत किया, जो आज भी भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रीढ़ है। असम (1937 से 1946 तक ब्रिटिश भारत में) के पहले प्रधानमंत्री सैयद मुहम्मद सादुल्लाह एक अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जिनकी दूरदर्शिता ने संघीय और अल्पसंख्यक हितों के बीच संतुलन बनाने में मदद की।

नागरिकता और अल्पसंख्यक संरक्षण पर बहस में उनके हस्तक्षेप ने भारत के बहुलवादी स्वरूप की गहरी समझ को प्रतिबिंबित किया। उन्होंने कानूनी समानता और सामाजिक समरसता पर ज़ोर दिया और विशेषाधिकारों के बजाय, ऐसे प्रावधानों की वकालत की जो हर भारतीय को, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो, प्रगति का अवसर प्रदान करें। ये मुस्लिम नेता अलग-थलग आवाज़ें नहीं थे, बल्कि मुस्लिम देशभक्ति के एक व्यापक समूह का हिस्सा थे, जिसने इस विचार को खारिज कर दिया कि धर्म राष्ट्रीय निष्ठा निर्धारित करता है। आज़ादी से पहले और बाद के वर्षों में, जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे संगठनों और खान अब्दुल गफ्फार खान जैसे नेताओं (हालांकि संविधान सभा का हिस्सा नहीं थे) ने भारत की एकता और संवैधानिक मूल्यों का पुरज़ोर समर्थन किया।

उनकी सामूहिक उपस्थिति सांप्रदायिक दुष्प्रचार का जवाब और भारत के लोकतांत्रिक भविष्य में विश्वास की पुनः पुष्टि थी। जब हम भारतीय संविधान के निर्माण पर विचार करते हैं, तो हमें उन मुस्लिम नेताओं को याद करना चाहिए जो इसके निर्माण में सबसे आगे रहे—एक समुदाय के प्रतिनिधि के रूप में नहीं, बल्कि एक राष्ट्र के दूरदर्शी वास्तुकारों के रूप में। उनकी विरासत केवल संविधान के पन्नों में ही नहीं लिखी गई है, बल्कि आज हम जिन अधिकारों और स्वतंत्रताओं का आनंद ले रहे हैं, उनमें जीवित है। ये कहानियाँ हमें याद दिलाती हैं कि आधुनिक भारत की नींव हर धर्म के हाथों रखी गई थी। संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि उन पुरुषों और महिलाओं के साहस, दूरदर्शिता और देशभक्ति का प्रमाण है जिन्होंने विभाजन के बजाय एकता का मार्ग चुना। और इस पवित्र सभा में, मुसलमानों की आवाज़ हाशिये से नहीं, बल्कि भारत के हृदय से गूंजी।

कांग्रेस ने बीजेपी पर नेपोटिज्म का आरोप लगाया, नेहरू परिवार के रिश्ते भी चर्चा में

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देअर किड्स वर्सेस योर किड्स को बताती हुई एक पोस्ट की है. पोस्ट के साथ वीडियो भी टैग किया गया है. वीडियो में यह बताने की कोशिश की गई है कि बीजेपी नेताओं के बच्चे किस तरह विशेष सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं जबकि देश के आम नागरिकों के बच्चे पुलिस की लाठियां खा रहे हैं. हैरानी की बात यह है कि पोस्ट करने वाली श्रीनेत खुद एक राजनीतिक परिवार से आती हैं. उनके पिता हर्षवर्धन पूर्वी यूपी से कांग्रेस के टिकट पर कई बार सांसद चुने जा चुके हैं. श्रीनेत कह सकती हैं कि वे पत्रकारिता से राजनीति में आई हैं. पर बहुत से लोग पत्रकारिता करते हैं सबकी किस्मत में कांग्रेस के इतने बड़े पद पर पहुंचना संभव नहीं होता है. क्योंकि सभी सुप्रिया की तरह सांसद पुत्र या पुत्री नहीं होते हैं.

डेटा से पता चलता है कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां नेपोटिज्म की समस्या से ग्रस्त हैं. फिर भी कांग्रेस में यह अधिक केंद्रीकृत (नेहरू-गांधी परिवार के इर्द-गिर्द) है, जबकि बीजेपी में यह फैला हुआ और रणनीतिक रूप से अपनाया गया है. नेहरू-गांधी परिवार ने कांग्रेस को लंबे समय तक नियंत्रित किया, जहां जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, संजय गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और अब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे सदस्यों ने शीर्ष पद संभाले. यह

परिवार पांच पीढ़ियों से कांग्रेस का चेहरा है. इसी तरह, बीजेपी ने शुरू में खुद को गैर-भाई-भतीजावादी पार्टी के रूप में पेश किया, लेकिन अपने विस्तार के दौरान कई राजनैतिक परिवारों को अपनाया. एक अध्ययन के अनुसार, 1999 से 2019 तक लोकसभा में कांग्रेस के 36 वंशवादी सांसद चुने गए, जबकि बीजेपी के 31. लोकसभा चुनाव 2014 में बीजेपी की जीत के बाद भी, उसके 15% सांसद परिवारिक पृष्ठभूमि से थे. यह दिखाता है कि बीजेपी कांग्रेस से कम नहीं है.

बीजेपी का भाई-भतीजावाद कम दिखाई देता है क्योंकि यह एक परिवार तक सीमित नहीं है. दरअसल कांग्रेस का वंशवाद कुछ खास घरानों तक ही सीमित है. जबकि बीजेपी में दूसरे और तीसरे नंबर के नेताओं में यह ज्यादा है. कांग्रेस भाई-भतीजावाद का सबसे प्रमुख उदाहरण है. नेहरू-गांधी परिवार ने पार्टी को परिवार का किला बना दिया. जवाहरलाल नेहरू पहले प्रधानमंत्री थे, उनकी बेटी इंदिरा गांधी ने 1966-77 और 1980-84 तक शासन किया. इंदिरा के बेटे राजीव गांधी 1984-89 तक प्रधानमंत्री रहे. राजीव की पत्नी सोनिया गांधी ने 1998 से पार्टी की कमान संभाली, और उनके बेटे राहुल गांधी 2017-19 तक अध्यक्ष रहे. प्रियंका गांधी वाड्रा, राहुल की बहन कुछ दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रभारी रहीं फिलहाल अब वायनाड (केरल) से सांसद हैं. नेहरू-गांधी परिवार भारतीय राजनीति का सबसे शक्तिशाली परिवार है, जो 1947 से कांग्रेस को नियंत्रित कर रहा है. मोतीलाल नेहरू (1861-1931) इसके संस्थापक थे, जो कांग्रेस के पहले अध्यक्ष बने.

उनके बेटे जवाहरलाल नेहरू (1889-1964) ने स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में परिवार को राजनीतिक ऊंचाइयों पर पहुंचाया. नेहरू के समय में दूर के रिश्तेदारों को भी सरकारी पदों पर नियुक्ति देकर परिवारिक नेटवर्क मजबूत किया गया, जो भाई-भतीजावाद का क्लासिक उदाहरण है. मोतीलाल के भाई नंदलाल नेहरू अवध के दीवान थे, जिनके वंशज राजनीति में सक्रिय रहे. अरुण नेहरू जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई आनंद कुमार नेहरू के बेटे थे. सांसद (1980-1989), ऊर्जा राज्य मंत्री (1984-1985), गृह राज्य मंत्री (1985-1986). इंदिरा गांधी की मौत के बाद राजीव के सबसे करीबी सलाहकार बन कर उभरे थे. बाद में राजीव गांधी से अनबन हो गई. वीपी सिंह के साथ चले गए. कई देशों में राजदूत रहे रतन कुमार नेहरू. विदेश सचिव तो रहे ही. चीन में राजदूत , मिस्र में राजदूत बनाए गए. विजय लक्ष्मी पंडित की बेटी चंद्रलेखा पंडित के पति को मेक्सिको राजदूत में राजदूत बनाए गए. ये सभी नियुक्तियां नेहरू के समय में जो परिवारिक वफादारी पर आधारित थे.

इसलिए सही मायने में भाई भतीजावाद की नींव रखने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू ही थे. इन नियुक्तियों से नेहरू परिवार ने राजनीति को परिवार का व्यवसाय बना दिया. इंदिरा गांधी के समय संजय गांधी को अनौपचारिक शक्तियां मिलीं. जिसका इमरजेंसी के दौरान उन्होंने जमकर दुरुपयोग किया. बाद में राजीव गांधी और उनके बाद राहुल और प्रियंका पार्टी को नियंत्रित कर रहे हैं. उम्मीद है कि एक न एक दिन पीएम की गद्दी पर भी बैठ ही जाएंगे. प्रियंका गांधी के बेटे रेहना वाड्रा की लांचिंग भी होनी तय है.

वास्तुशास्त्र

घर में मृत व्यक्ति की तस्वीर लगाने के जरूरी नियम

अक्सर लोग घरों पर अपने स्वर्गीय माता-पिता या पितरों की तस्वीर लगाते हैं. घर में पितरों की तस्वीर लगाना वास्तु शास्त्र में शुभ माना गया है. हालांकि, घर में पितरों की फोटो लगाने के कुछ नियम होते हैं, जिनकी अनदेखी करने पर अशुभ परिणाम मिल सकते हैं. वास्तु शास्त्र के मुताबिक, मृत व्यक्ति की भूलकर भी घर के ब्रह्म स्थान यानी घर के बीचों-बीच नहीं लगानी चाहिए. घर में पितरों की फोटो सीढ़ियों के नीचे या स्टोर रूम में भी भूलकर भी नहीं लगानी चाहिए. इन जगहों पर पितरों की तस्वीर लगाने से परिवार के सदस्यों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है. कुछ लोग अपने पूर्वजों की तस्वीर को पूजा घर में लगा देते हैं, जो कि वास्तु शास्त्र में बहुत अशुभ माना गया है. घर के मंदिर में कभी भी पितरों की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए. कभी भी मृत व्यक्ति की फोटो पूजा घर में भगवान की मूर्ति या तस्वीरों के साथ नहीं रखनी चाहिए. बहुत से लोग अपने घरों में पितरों की तस्वीर को दीवारों पर लटका देते हैं, जिसे वास्तु शास्त्र में गलत बताया गया है. मृत व्यक्ति की फोटो को कभी भी दीवार पर लटकाना नहीं चाहिए, बल्कि एक लकड़ी के स्टैंड या टेबल पर पूर्वजों की तस्वीरें रखनी चाहिए.वास्तु की मानें तो मृत व्यक्ति की फोटो हमेशा दक्षिण दिशा में ही लगानी चाहिए. इसके अलावा, आप उत्तर दिशा की तरफ भी पितरों की तस्वीर लगा सकते हैं लेकिन इस दिशा में तस्वीर लगाते समय ध्यान रखें कि उनका मुख दक्षिण दिशा की तरफ होना चाहिए.

आस्था

सपने में पितरों को खाना खाते देखने का क्या मतलब है?

सपने में दिखाई देने वाली हर एक चीज भविष्य को लेकर कुछ न कुछ संकेत जरूर देती है. कुछ लोग इन संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ये सपने कभी-कभी भाग्य भी खोल देते हैं. इस समय पितृ पक्ष चल रहा है, जिसकी समाप्ति 21 सितंबर को होगी. यह अवधि पितरों को समर्पित होती है और ऐसे में लोगों को पितरों से जुड़े कई तरह के सपने आते हैं. कुछ लोग सपने मरे हुए व्यक्ति को रोते हुए देखते हैं, तो कई बार खाना खाते हुए पितर भी नजर आते हैं. आइए जानें कि सपने में पितरों को खाना खाते देखना कैसा होता है.स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में पितरों को खाना खाते हुए देखना शुभ संकेत माना जाता है. इस सपने का मतलब है कि आपको आने वाले समय में कोई बड़ी सफलता, धन-लाभ या फिर किसी बड़े काम में कामयाबी मिल सकती है. साथ ही, यह सपना पूर्वजों की प्रसन्नता और आशीर्वाद का भी प्रतीक माना गया है. यह सपना संकेत देता है कि आपके पितरों का आप पर आशीर्वाद है और आपके जीवन में सफलता का दौर शुरू होने वाला है. सपने में पितरों को खाने खाते हुए देखने से आपको धन, सुख-संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है और आपके बिगड़े काम बन सकते हैं. अगर आपको सपने में पितर खाना खाते हुए देखते हैं, तो इसका मतलब है कि वे आपके पुण्य कर्मों से खुश हैं. यह सपना इस बात का संकेत हो सकता है कि पितर जीवन में किसी बदलाव या इच्छा की पूर्ति चाहते हैं. अगर आप खुद को पितरों के साथ खाते हुए देखते हैं, तो यह संकेत देता है कि पूर्वजों ने आपको आशीर्वाद दिया है और आपके लिए सफलता का दौर शुरू हो रहा है.

लघुकथा

सुरेश सौरभ

दो बूंद तेल

घर में दो बूंद तेल नहीं था। आज दीवाली थी। शाम हो रही थी। आज सभी के घरों में पूरी पकवान बनेंगे पर उसके घर में कैसे दीये जलेंगे, कैसे पूरी कचौरी बनेंगी यह सोच-सोच कर चकोरी बहुत परेशान थी और आज उसका बाप भी मजूरी न लगने पर खाली हाथ लौटा था। उसके मां-बाप हमेशा की तरह आपस में तकरार कर रहे थे। वह घर के बाहर अकेली बैठी चुपचाप सब सुन-सह रही थी, यह रोज-रोज की किर-किर पता नहीं कब खत्म होगी। पता नहीं कब हमको भरपेट अन्न मिलेगा। तभी उसके पास से दो बच्चे बतियाते हुए बढ़ते जा रहे थे, रामनगरी में आज लाखों दीये जलाए जाएंगें। आधी रात के बाद उन दीयों को पूछने वाला कोई न होगा फिर हम लोग उन बुझादी, कुछ अधबुझे दीयों के तेल को बटोर लायेंगे और उससे चुरमुरी पूडियां छनवायेंगे। अब चकोरी प्रसन्नता से भर गई। आधी रात को अपनी झोपड़ी से एक शीशी लेकर पहुंच गई रामनगरी अपनी उम्मीदों की, अपनी आशाओं की, तमन्नाएं पूरी करने के लिए। शीशी में बुझे अधबुझे हुए दीयों का तेल भरने लगी। अब उसके मन में पूडियां कचौरियां छनने लगीं। हृदय में दीवाली के अनगिनत दीये जगमगाने लगे। गरीब की दिवाली तभी होती है, जब उसके पेट में अन्न और होठों पर खुशी होती है

संस्मरण

ज़कीया ज़ुबैरी

भीतर की बातें

कहते हैं कि लेखक कभी नहीं मरता। मेरा मानना है कि तेजेंद्र शर्मा जैसा लेखक यदि स्वयं को मारने का प्रयास भी करे तो उसका लेखन उसे मरने नहीं देगा। तेजेंद्र शर्मा की लेखन प्रक्रिया एक मामले में अनूठी है। वह अपने आसपास होने वाली घटनाओं को देखते हैं, महसूस करते हैं, और अपने मस्तिष्क में मथने देते हैं। जब तक कि घटना कहानी का रूप नहीं ग्रहण कर लेती। तेजेन्द्र जितने अच्छे कहानीकार हैं उतने ही अच्छे इन्सान भी हैं और बेहद अच्छे दोस्त भी। तेजेंद्र शर्मा एक ख़ुदा-तरस इन्सान है जो कि ज़मीनी हक़ीकत से जुड़ा हुआ है। दूसरों को हंसाने वाला, ख़ुश रखने वाला यह इन्सान, हज़ारों दुख अपने सीने में छिपाए दिन रात इसी कोशिश में रहता है कि कैसे किसी का भला कर दिया जाए। यह संवेदनशील व्यक्ति केवल कहानीकार ही नहीं, कवि भी है और मानव मन की दुखती रगों को पकड़ता है। तेजेंद्र की कहानियां और कविताएं उसके साहित्यिक जीवन का दर्पण हैं। मुझसे कहा गया है कि मैं तेजेंद्र के बारे में कुछ लिखूं। उस हिसाब से मुझे अपने लेख की शुरूआत उनके जन्म स्थान, जन्म तिथि, शिक्षा, नौकरी आदि आदि से करनी चाहिये। किन्तु जिस तेजेंद्र से मेरा परिचय है उसके लिये यह सब बेमानी है। तेजेंद्र शर्मा अपने आप को केवल एक इन्सान समझता है और इससे अधिक वह आपको बताना भी नहीं चाहता। अंग्रेज़ी की उच्चतम डिग्री हासिल करने के बाद भी तेजेंद्र अपनी सी लगने वाली हिन्दी में लेखन करता है जिसमें पंजाबी और उर्दू का तड़का लगा रहता है।

कहानी

शेली खत्री

हरेराम की डायरी

कलम की स्याही से लिखे शब्दों को आंखो के मोती फीका बना रहे थे, पर हरेराम ने न लिखना बंद किया और न आंसुओ ने रूकना स्वीकार किया। फैले-फैले-से शब्द चोट, दर्द और दु:ख की रागिनी बजाते जा रहे थे। हरेराम इस रागिनी में डूबने लगा क्या मिला यहा आकर? आंखो में एक-एक कर परिवार के हर सदस्य का चेहरा घूम गया। भरी आंखो और रुंधे गले से आशीर्वाद देता मां का चेहरा सामने आया तो आकर टिक गया। उन आंखो की करूणा ने हरेराम के मर्म को और कचोटा। उसने सांसें अन्दर खींची और मां-मां कहकर मां की करूणार्द्र आंखों में खो गया। मां बार-बार आंसू पोंछते हुए कहती जा रही थी, 'बेटा-भारत बड़ा ही नहीं, सुन्दर देश भी है। अपने ही देश जैसा। यही हिमालय वहा भी है। सब कुछ ऐसा ही मिलेगां अपने जैसे ही लोग होते हैं वहा-सुन्दर, प्यारे और भोले तू जब वहा किसी के खेत के पास जाएगा न तो लगेगा अपने ही खेत में खडा है। मालूम है वहा शिवरात्रि, होली, दीपावली, दशहरा, भाई दूज सब मनाया जाता है। जब त्यौहार आएगा तो तुझे लगेगा कि तू अपने ही देश में अपने ही घर में है। समझ लेना बस, दूसरे गांव आ गया है जैसे-जनकपुर हम तुझे दूर नहीं भेज रहे हैं बेटा' और मां फफक पडी आगे बढ़कर हरेराम मां के गले लग गया। पर बोला कुछ नहीं। धीमे से कपाल चूमते हुए समझाने लगी, 'रामा, बिहार ही तो जा रहा है तू पता है, कहीं दूसरे देश जाने पर बड़ी चौकसी बरतनी पड़ती है। सरकार की अनुमति मिली तो जाओ वरना बैठो पर नेपाल से पड़ोस के बिहार जाने में कोई दिक्कत नहीं है। वहा काम अधिक नहीं होगा और पैसे भी ठीक मिलेंगे। तू खुद को अकेला मत समझिये। चाचा तो हैं ही। मालिक लोगों से पूछ के जब चाहे चाचा से मिल लेना। और चिट्टी लिखना तो जानता ही है मन न लगे तो चिट्टी लिखाना अगर मालिक के घर फोन हुआ तो वीरेन्द्र अंकल के घर फोन करना देख लाएगा.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

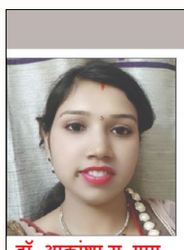
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 16 सितंबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

4 करोड़ की इनामी महिला नक्सली सुजाता का आत्मसमर्पण

गढ़चिरोली.

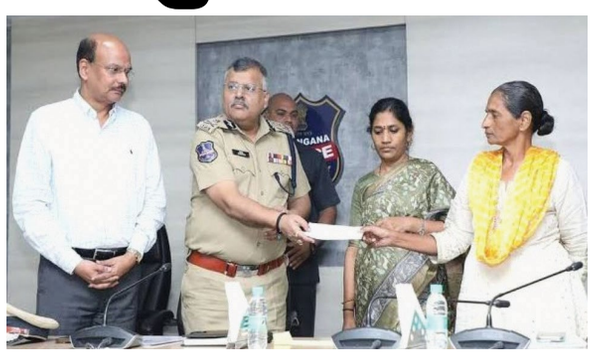

2010 के दशक में सशस्त्र नक्सल आंदोलन के शीर्ष नेता रहे दिवंगत माल्लोजुला कोटेश्वर राव उर्फ किशनजी की पत्नी पोथुला पद्मावती उर्फ सुजाता (62) ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

तेलंगाना के जोगुलांबा गाडवाल ज़िले के पेंचकलपेठ की रहने वाली सुजाता नक्सलियों की केंद्रीय समिति की सदस्य, दक्षिण विभाग की सचिव और दंडकारण्य क्षेत्र की जनताना सरकार की प्रमुख थी। करीब 43 वर्षों तक नक्सल आंदोलन में सक्रिय रही सुजाता पर विभिन्न राज्यों ने मिलकर 4 करोड़ से अधिक का इनाम घोषित किया था।

नक्सल सफर की शुरुआत : सुजाता का जन्म एक किसान परिवार में हुआ था। उसके पिता डाकिया थे। चार भाई-बहनों में उसका एक भाई 1982 में नक्सल आंदोलन से जुड़ गया। साथ ही उसके तीन चचेरे भाई भी संगठन में सक्रिय थे। इसी माहौल से प्रभावित होकर बारहवीं कक्षा में पढ़ते हुए ही सुजाता ने नक्सल आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया।

शुरुआत में वह ग्राम प्रचारक और नाट्य मंडली से जुड़ी रही। 1984 में उसने नक्सल नेता कोटेश्वर राव उर्फ किशनजी से विवाह किया। उनकी एक बेटी है, जिसे रिश्तेदारों के पास छोड़कर दोनों पूर्ण रूप से नक्सल आंदोलन में सक्रिय हो गए।

1987 में दंडकारण्य फॉरेस्ट कमेटी (गडचिरोली) में उनकी नियुक्ति हुई। 1988–89 में सुजाता पेरमिली और एटापल्ली दलम में उपकमांडर रही। आगे 1996 में उसे देवरी दलम कमांडर बनाया गया।

पदोन्नति और जिम्मेदारियाँ: 1997 से 1999 के बीच वह दक्षिण बस्तर प्रादेशिक समिति की सदस्य बनी। इसके बाद दंडकारण्य क्षेत्र और दक्षिण बस्तर में उसे अहम जिम्मेदारियाँ दी गईं। 2007 में उसे दंडकारण्य ज़ोन की जनताना सरकार की प्रमुख नियुक्त किया गया।

2011 में किशनजी पश्चिम बंगाल में मुठभेड़ में मारा गया, जिसके बाद सुजाता संगठन में और सक्रिय हो गई। 2022 में उसे केंद्रीय समिति में शामिल किया गया। वह कोया भाषा से प्रकाशित 'पेथुरी' पत्रिका की संपादक भी रही।

खूनी इतिहास : सुजाता ने अपने कार्यकाल में कई बड़े हिंसक हमलों का नेतृत्व किया। इनमें 63 नागरिक और 207 जवान मारे गए।

ताड़मेटला, गादीरास, झिरम घाटी, चिंतागुफा, कोरजगुड़ा, टेकुलगुडे जैसे हमलों में उसका बड़ा योगदान था।

आत्मसमर्पण का फैसला : बीते कुछ समय से वह बीमार थी। आखिरकार 13 सितंबर 2025 को उसने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। पुलिस के अनुसार, पिछले एक वर्ष में केवल तेलंगाना राज्य में ही 404 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है

बुलडोजर से ध्वस्त दुकानों का पुनर्निर्माण कराने की मांग

> अन्यथा, जन आंदोलन तथा भूख हड़ताल की प्रशासन को चेतावनी

चिमुर, शुभम बारसागडे

भिसी नगर पंचायत प्रशासन ने छह महीने पहले सौ से भी ज़्यादा व्यापारियों की दुकानों पर बुलडोज़र चला दिया था। तब से दुकानदारों के परिवार भुखमरी के कगार पर हैं। सिद्धार्थ चाहंदे और अन्य पीड़ित दुकानदारों ने नगर पंचायत प्रशासन से तुरंत सभी दुकानों का निर्माण कराने और उनके परिवारों पर आयी भुखमरी की नौबत रोकने की माँग की है। अन्यथा, उन्होंने जन आंदोलन शुरू करने और आमरण अनशन पर जाने की चेतावनी दी है। नगर पंचायत प्रशासन को यह भी चेतावनी दी है कि यदि कार्य में देरी हुई तो पीड़ित दुकानदार खुद ही अपनी जगह पर नई दुकान बनाएंगे और अपना रोजगार शुरू करके अपने परिवार का पालन-पोषण करेंगे ऐसी कड़ी चेतावनी दी.

सिद्धार्थ चाहंदे, राकेश शिवरकर, प्रकाश चिकटे, दिलीप डेटमुठे, अनिल शेंडे, चंदशेखर लोहकरे, प्रमोद मोहिनकर, नरेंद्र भिमटे, कैलाश मोटघरे, विनोद खवसे, रमेश कालबांधे और अन्य दुकानदारों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन नगर पंचायत भिसी को सौंपा गया और ज्ञापन की एक प्रति आयुक्त कार्यालय नागपुर, नगर रचना कार आयुक्त नागपूर, अप्पर जिलाधिकारी चिमूर, उपविभागीय अधिकारी चिमूर इनको भेजी गई है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते समय भिसी नगर पंचायत के मुख्य अधिकारी ने प्रभावित व्यापारियों कहा था कि अगले छह महीने में दुकान कारों का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा, लेकिन छह महीने से अधिक समय बीतने के बावजुद भी नये दुकानो का निर्माण शुरू नहीं हुआ है।

गरीबों की शिवभोजन थाली पर सरकार की मार

चंद्रपुर, सुनील तायडे

> रोजी रोटी दे न सकी वो सरकार निकम्मी है

> धीरे धीरे बंद हो रहे शिवभोजन थाली केंद्र

पिछले छह महीनों से सभी शिवभोजन थाली केंद्र कि अनुदान राशि बकाया है। इस वजह से केंद्र चलाने में कई आर्थिक मुश्किलें आ रही हैं। महाराष्ट्र सरकार द्वारा केंद्र का संचालन गरीबों और ज़रूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए किया जा रहा है।

चंद्रपुर के ही नहीं तो समूचे महाराष्ट्र राज्य के गरीबों को कम दाम में भरपेट भोजन उपलब्ध कराने के लिए शिव भोजन थाली योजना शुरू की गई थी। महा विकास आघाड़ी सरकार ने इस योजना के ज़रिए गरीबों के पेट में दो वक़्त का खाना पहुँचाया। हालाँकि, राज्य की महायुति सरकार ने पिछले छह महीनों से इस योजना की सब्सिडी बंद कर दी है।

इसलिए, कई केंद्र संचालकों ने पहल करते हुए गरीबों तक थाली पहुँचाना जारी रखा है। वहीं कुछ संचालकों ने ये केंद्र बंद कर दिए हैं। इससे नाराज़गी जताई जा रही है कि राज्य सरकार ने गरीबों के मुँह से निवाला छीन लिया है।

महा विकास आघाड़ी सरकार ने 2019 में दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की स्मृति में राज्य में शिव भोजन थाली केंद्र योजना शुरू की थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ज़रूरतमंद और गरीब श्रमिकों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना था।

यह योजना कुछ ही समय में लोकप्रिय हो गई क्योंकि गरीबों को कम दामों पर थाली मिलने लगी। सरकार हर महीने शिव भोजन केंद्र को सब्सिडी दे रही थी। शुरुआत में तो यह योजना अच्छी चली। साथ ही, केंद्र को मिलने वाली सब्सिडी भी समय पर मिलने लगी।

इस योजना से कुछ लोगों को रोज़गार मिला और लाखों लोगों को पौष्टिक भोजन मिला। लेकिन अब सब्सिडी के अभाव में यह योजना बंद होने के कगार पर है।

शिव भोजन थाली की मूल कीमत 50 रुपये होने के बावजूद, इस थाली की कीमत 10 रुपये रखी गई है। बाकी 40 रुपये सरकार सब्सिडी के तौर पर देती है। लेकिन पिछले कुछ महीनों से ज़िलों में सब्सिडी बंद होने से केंद्र संचालक आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। ऐसी जानकारी श्रीराम पान्हेरकर, शिव भोजन थाली केंद्र संचालक ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी.

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक संपन्न

गढ़चिरोली.

किसान न्याय हक परिषद में जाएंगे प्रतिनिधि आगामी जि.प., पं.स. और नगरपालिका चुनाव लड़ने का निर्णय

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कार्यकारिणी की बैठक 15 सितंबर को पार्टी कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वडसा तालुका के सचिव कॉ.परसराम आदे ने की।

बैठक में जिला सचिव कॉ.अमोल मारकवार ने वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों पर मार्गदर्शन किया। उन्होंने राज्य सरकार पर जनविरोधी कानून बनाकर किसान, खेतमजदूर और मजदूरों का शोषण करने का आरोप लगाया।

साथ ही कहा कि "जन सुरक्षा विधेयक के नाम पर जनता के संवैधानिक अधिकार छीनने की साजिश सरकार कर रही है।" मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बड़े पैमाने पर आर्थिक निवेश आने की बात करते हैं, लेकिन उसी विदर्भ में देश में सबसे अधिक किसान आत्महत्याएँ हो रही हैं। यह विकास नहीं बल्कि विनाश है, ऐसा मत कॉ. मारकवार ने व्यक्त किया।

बैठक में जानकारी दी गई कि संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेता 17, 18 और 19 सितंबर को विदर्भ दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे आत्महत्या करने वाले किसानों के परिजनों से मुलाकात करेंगे और किसान आंदोलन की दिशा तय करेंगे। इस दौरे में किसान नेता राकेश टिकैत, डॉ. अशोक ढवळे और डॉ. अजित नवले शामिल होंगे। गडचिरोली से 10 प्रतिनिधि इस परिषद में जाएंगे।

इसके अलावा, आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति और नगरपालिका चुनाव लड़ने का निर्णय भी इस बैठक में लिया गया।

बैठक में तालुका सचिव राजू सातपुते, विठ्ठल प्रधान, किसन राऊत, वासुदेव निखारे, ब्रम्हदास बावणे, बाबुराव मोहुर्ले, भगवान राऊत, सुनील दुमाने, कविता मेश्राम और प्रमोद कोसेकर उपस्थित थे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एटीएम फोड़कर चोरी

पांढरकवड़ा. घुग्घुस सीमा के पांढरकवड़ा गाँव में रविवार, 14 सितंबर की रात को अज्ञात अपराधियों द्वारा बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एटीएम तोड़ने की घटना सोमवार, 15 सितंबर की सुबह सामने आई। घुग्घुस चंद्रपुर मार्ग पर लगभग 5 किलोमीटर दूर पांढरकवड़ा गाँव के रोड क्षेत्र में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की एटीएम मशीन है। इससे पहले भी, नागरिक एटीएम मशीन तोड़कर चोरी होने की चर्चा करते रहे हैं। अब तक, एटीएम मशीन तोड़कर दस लाख से अधिक रुपये चुराने की घटना सामने आ चुकी है। ऐसी घटनाएँ होने पर भी, एटीएम सुरक्षाकर्मी नियुक्त नहीं किए जाते! इस कारण चोरों को खुली छूट मिल रही है और एटीएम तोड़ने की घटनाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। इस घटना की सूचना मिलते ही घुग्घुस पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँची। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, घटना की जाँच शुरू कर दी गई।

पुराने विवाद में युवक की चाकू मारकर निर्मम हत्या

गढ़चिरोली.

पुराने विवाद के चलते उपजी हिंसा में एक युवक की निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी गई। यह वारदात शनिवार रात वाठोडा थाने के सूरज नगर इलाके में घटित हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 14 सितम्बर की रात करीब ९.४५ बजे, सूरज नगर स्थित दमाहे के घर के सामने, आरोपी प्रकाश संतोष गायकवाड (२३) ने फिर्यादी के बेटे अभिषेक राजकुमार पिंपळीकर (२५) पर पुराने विवाद के कारण चाकू से हमला बोल दिया। इस हमले में अभिषेक को गंभीर चोटें आईं।

घटनास्थल से पीड़ित अभिषेक को तुरंत मेडिकल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उनकी जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के परिवार की ओर से मीना राजकुमार पिंपळीकर (५१) ने वाठोडा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस उपनिरीक्षक राऊत ने आरोपी प्रकाश गायकवाड के खिलाफ हत्या के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल आरोपी को ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी और पीड़ित के बीच पहले से ही कोई पुरानी दुश्मनी चल रही थी, जिसके चलते यह वारदात हुई। मृतक अभिषेक पिंपळीकर सूरज नगर, डंपिंग यार्ड के पास रहते थे। इस घटना से पूरे इलाके में सदमा और रोष का माहौल है।

खेत-तालाब का पानी नागरिकों के घरों में घुसा

> खुटाला ग्राम पंचायत की लापरवाही, नागरिकों में रोष

नेरी, शुभम बारसागड़े

हर जगह हो रही भारी बारिश के कारण खुटाला गांव के पास का नजदिकी खेत तालाब ओवरफ्लो होकर, पानी नागरिकों के घरों में घुस गया है।

उक्त खेत तालाब गाँव के पास है और इस तालाब का पानी खेत के रास्ते से होकर बहना चाहिए। लेकिन खेत रास्ते से पानी का बहाव बंद होने से तालाब का ओवरफ्लो पानी गाँव के मुख्य रास्ते पर आ जाता है। इससे नालियाँ ओवरफ्लो हो जाती हैं और उसका पानी कई नागरिकों के घरों में घुस जाता है। इस साल इस तालाब का पानी छह से सात बार नागरिकों के घरों में घुस चुका है, जिससे रामदास सोनवाने, देहारे किराना स्टोर, सोनवाने आटा चक्की, ताराचंद चौधरी और कई अन्य ग्रामीणों को नुकसान हुआ है।

नागरिकों ने कई बार ग्राम पंचायत को इस समस्या के बारे में अवगत कराया है, लेकिन ग्राम पंचायत इस गंभीर मामले को नजरअंदाज कर रही है। 19 अगस्त को हुई ग्राम सभा में नागरिकों ने इसकी शिकायत की और इस पर चर्चा भी हुई। ग्राम पंचायत अधिकारी और सदस्यों ने कहा था कि वे संबंधित किसान मालिक से बात करके इस समस्या का समाधान निकालेंगे। लेकिन समस्या अभि भी जस की तस होने से नागरिकों मे रोष व्याप्त है!

चंद्रपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत मे 1067 मामलों का निपटारा

चंद्रपुर, सुनील तायडे

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंबई के निर्देशानुसार, 13 सितंबर को चंद्रपुर जिला न्यायालय सहित सभी तालुका न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया।

इस लोक अदालत का उद्घाटन मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष समृद्धि भीष्म की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में हुआ।

लोक अदालत में कुल 9537 लंबित न्यायालयीन मामले और 15662 पूर्व-दायर मामले रखे गए। जिनमें से 855 लंबित और 212 पूर्व-दायर मामले, कुल 1067 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया।

इसमें मोटर दुर्घटना दावों के 28 मामलों का निपटारा किया गया और 2 करोड़ 51 लाख 45 हजार रुपये का मुआवजा स्वीकृत किया गया। पहले से दायर मामलों से 1 करोड़ 28 लाख 61 हज़ार 607 रुपये की वसूली की गई। चेक अनादर के 66 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि श्रम एवं औद्योगिक न्यायालय में 1 मामले का निपटारा किया गया। इस लोक अदालत की सफलता के लिए सभी न्यायाधीशों, वकीलों, न्यायालय कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहयोग किया, ऐसा चंद्रपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एस. एस. इंगले ने बताया।

गढ़चिरोली में मेडिकल कॉलेज के लिए ज़मीन उपलब्ध कराई जाए, जिला कांग्रेस की मुख्यमंत्री से मांग

गढ़चिरोली. गढ़चिरोली जिला कांग्रेस कमेटी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को ज्ञापन सौंपकर गढ़चिरोली जिले में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए ज़मीन उपलब्ध कराने की मांग की है। जिलाध्यक्ष महेंद्र ब्राह्मणवाड़े ने पत्र में कहा कि गडचिरोली यह अति दुर्गम और पिछड़ा जिला है, जहां स्वास्थ्य सुविधाएँ बेहद सीमित हैं। ऐसे में मेडिकल कॉलेज की स्थापना बेहद ज़रूरी है। लेकिन उपयुक्त जगह उपलब्ध न होने के कारण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। उन्होंने मांग की है कि गडचिरोली शहर के पास मौजूद शासकीय भूमि तुरंत मेडिकल कॉलेज के लिए उपलब्ध कराई जाए।

ब्राह्मणवाड़े ने स्पष्ट किया कि मेडिकल कॉलेज शुरू होने से आदिवासी और आम जनता को स्वास्थ्य सेवाएँ आसानी से मिल सकेंगी और जिले का विकास भी संभव होगा।

सट्टेबाजी केस में फंसी उर्वशी और मिमी चक्रवर्ती

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में कई जाने-माने नाम अब तक सामने आ चुके हैं. इसी बीच अब मशहूर एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती का नाम भी सामने आया है, जिसने दोनों हसीनाओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है.

यह मामला अवैध सट्टेबाजी ऐप 1स्बेट से जुड़ा हुआ है, जिसके प्रचार-प्रसार में इन दोनों अभिनेत्रियों का नाम सामने आया है और इसी मामले में दोनों को दिल्ली मुख्यालय में पेश होकर अपने बयान दर्ज कराने होंगे.गौरतलब है कि, इस मामले में पहले भी उर्वशी रौतेला से पूछताछ हो चुकी हैं, लेकिन अब एक बार फिर से उन्हें समन जारी हुआ है और साथ ही मिमी चक्रवर्ती को भी तलब किया गया है. जानकारी के मुताबिक, उर्वशी रौतेला को 16 सितंबर को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होना होगा. वहीं, मिमी चक्रवर्ती को 15 सितंबर को बुलाया गया है. यह पूरा मामला पिछले साल से चल रहा है और ईडी इस मामले में लगातार गहराई से जांच कर रही है. आरोप है कि इन कलाकारों ने मोटी फीस लेकर इस सट्टेबाजी ऐप का प्रचार किया, जो भारत में गैरकानूनी है. इस मामले में उर्वशी रौतेला और मिमी चक्रवर्ती के अलावा कई और बड़े नाम भी शामिल हैं, जिसमें विजय देवरकोंडा, प्रकाश राज, हरभजन सिंह, राणा दग्गुबाती, सुरेश रैना, शिखर धवन और युवराज सिंह जैसे क्रिकेटर और फिल्म जगत के कई सितारों के नाम शामिल हैं. इन सभी को भी पहले ईडी समन भेज चुकी है. बताया जा रहा है कि इस ऐप ने अपने प्रचार पर 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च किया है और ईडी इसी पैसों के लेनदेन की जांच कर रही है.

ऋतिक ने ठुकराई फिल्म

अपने करियर में हर एक्टर ने कई फिल्मों को छोड़ा होगा. इसके पीछे की वजह कुछ भी हो सकती है. स्क्रिप्ट, दूसरे काम में बिजी या फिर कुछ और. ऋतिक रोशन ने भी अपने करियर में कई बड़ी फिल्मों को ठुकराया है. जिसमें एक ब्लॉकबस्टर फिल्म भी शामिल है. अगर एक्टर यह फिल्म कर लेते, तो उनके करियर का पूरा गेम बदल जाता. जानिए 75 करोड़ में बनी ये फिल्म कौन सी है.इस फिल्म में हीरो को पाकिस्तान की स्पाई एजेंट से प्यार हो जाता है. अब परेशानी यह होती है कि वो खुद भारतीय एजेंट होता है. बढ़ते वक्त के साथ सबको उन दोनों के प्यार के बारे में पता चलता है. और अपने ही देश वाले हीरो के खिलाफ हो जाते हैं. यह फिल्म साल 2012 में रिलीज की गई थी.जी हां, यह सलमान खान की एक था टाइगर ही है. जिसमें उनके अपोजिट कटरीना कैफ ने काम किया था. 13 साल पहले फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी. इस पिक्चर के बाद सलमान खान की टाइगर जिंदा है आई. वहीं टाइगर 3 भी रिलीज की जा चुकी है.दरअसल इस फिल्म को 75 करोड़ के बजट से तैयार किया गया था. जिसने दुनियाभर से 320 करोड़ का कारोबार किया.

अंजली ने किया ऐसा डांस, हर कोई हुआ हैरान

'कच्चा बादाम गर्ल' के नाम से मशहूर सोशल मीडिया सेंसेशन अंजलि अरोड़ा अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं. कभी विवादों से सुर्खियों बटोरती हैं, तो कभी बोल्ड और हॉट वीडियोज और फोटोज से तहलका मचाती रहती हैं. इसी बीच इंफ्लुएंसर का एक डांस वीडियो इंटरनेट पर जमकर बवाल काट रहा है, जिसमें वह फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ के गाने पर ऐसा डांस करती नजर आ रही हैं, जिसे देखकर आप भी शर्मा जाएं. अंजली का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है.इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे अंजली अरोड़ा के इस वीडियो में सोशल मीडिया सेंसेशन का बेहद ही बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है. इस वीडियो में अंजली नेहा कक्कड़ के गाने 'तू प्यासा है' पर धमाकेदार डांस मूव्स दिखाती नजर आ रही हैं. अंजली के मूव्स ने फैंस के दिलों की धड़कन बढ़ा दी है. वीडियो में सोशल मीडिया सेंसेशन ने ब्लू कलर की साड़ी में ऐसे कातिल मूव्स दिखाए हैं जिसे देखकर फैंस पानी-पानी हो गए. इस गाने के बोल और अंजली के बोल्ड एक्सप्रेशंस का कॉम्बिनेशन दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है. उनकी अदाएं और किलर लुक को देखकर फैंस दीवाने हुए जा रहे हैं.

गोविंदा और अमिताभ किं हीरोइन रह चुकी हैं 'बाहुबली' की शिवगामी

2015 और 2017 में एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली के दो पाट्र्स आए, दोनों पाट्र्स ने दुनियाभर में जबरदस्त कमाई की थी. इस फिल्म में बाहुबली (प्रभास) की मां शिवगामी देवी का रोल राम्या कृष्णन ने निभाया था. उनका रोल काफी पॉपुलर हुआ था. इसके पहले कई फिल्मों में हीरो के साथ लीड रोल में नजर आईं और उन फिल्मों में उन्होंने रोमांटिक सीन भी दिए. राम्या तमिल

एक्ट्रेस हैं, लेकिन उन्होंने तेलुगु, मलायलम और कन्नड़ भाषाओं के अलावा हिंदी फिल्मों में भी काम किया है.15 सितंबर 1970 को चेन्नई में जन्मीं राम्या ने तमिल फिल्म वेल्लाई मानसउ (1985) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इनकी पहली मलयालम फिल्म नीरम पुलारुमबोल (1986) थी और पहली तेलुगू फिल्म भलाए मिथरुलु (1986) थी.राम्या ने रजनीकांत और कमल हासन जैसे सुपसस्टार्स के साथ भी लीड रोल में फिल्में की हैं. राम्या की पहली हिंदी फिल्म परंपरा (1993) थी, इसके बाद उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में काम किया. यहां आपको उनकी 5 बेहतरीन हिंदी फिल्मों के बारे में बता रहे हैं.1993 में रिलीज हुई सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म खलनायक में राम्या का काम कुछ देर का था, लेकिन उसमें ही वो कमाल कर गई थीं.

आमिर से रणबीर तक सोशल मीडिया से दूर हैं ये सितारे

बॉलीवुड सेलेब्स से जुड़ी कोई भी खबर अब बहुत जल्दी उनके फैंस के पास सोशल मीडिया के जरिए आसानी से पहुंच जाती है. सेलेब्स अब सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़े रहते हैं और खुद को लेकर अपडेट भी शेयर करते हैं. लेकिन, बॉलीवुड के कई ऐसे दिग्गज कलाकार भी हैं जो सोशल मीडिया से कोसों दूर हैं. आइए आज उन 6 सितारों के बारे में जानते हैं जो सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करते हैं.इस जनरेशन के सबसे बेहतरीन अभिनेता माने जाने वाले रणबीर कपूर की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. हालांकि रणबीर सोशल मीडिया पर नहीं हैं. जबकि दूसरी ओर उनकी पत्नी और एक्ट्रेस आलिया भट्ट को 8.7 करोड़ से ज्यादा लोग इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं.बॉलीवुड में 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' के नाम से मशहूर आमिर खान भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करते हैं. उनके प्रोडक्शन हाउस 'आमिर खान प्रोडक्शंस' का इंस्टाग्राम हैंडल है, लेकिन आमिर का नहीं है.करीना कपूर खान की इंस्टाग्राम पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हैं. वो अक्सर ही अपनी और पति सैफ अली खान की तस्वीरें भी पोस्ट करती हैं. हालांकि सैफ अली खान सोशल मीडिया पर नहीं हैं. सैफ भी सोशल मीडिया से कोसों दूर हैं.रानी मुखर्जी बॉलीवुड में 29 सालों से काम कर रही हैं. अपने शानदार अभिनय के दम पर रानी ने लोगों के दिलों पर राज किया है. रानी भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करती हैं. रानी अब फिल्म 'मर्दानी 3' में नजर आएंगी जो 2026 में रिलीज होगी.हिंदी सिनेमा की सदाबहार अदाकारा रेखा भी सोशल मीडिया पर नहीं हैं. रेखा को हिंदी सिनेमा की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक के रूप में देखा जाता है. अपने

शाहिद-तृप्ति की फिल्म का टाइटल हुआ रिलीज

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर और डायरेक्टर विशाल भारद्वाज की जोड़ी एक बार फिर धमाका करने जा रही है. लंबे इंतजार के बाद उनकी नई फिल्म का नाम और रिलीज डेट फैंस के सामने आ चुकी है. शाहिद कपूर ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर पहला पोस्टर शेयर किया. इसमें वो काउबॉय हैट पहने हुए अपने हाथ से चेहरा छुपाते नजर आ रहे हैं. इसी के साथ शाहिद ने बताया कि फिल्म का नाम 'ओ रोमियो' है और ये फिल्म वैलेंटाइन डे 2026 पर रिलीज होगी.इस फिल्म में शाहिद कपूर के अपोजिट एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी नजर आएंगी. शाहिद और तृप्ति की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखेगी, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट दोगुनी हो गई है. फिल्म में नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे. फिल्म को नाडिया-डवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है.इस फिल्म में शाहिद कपूर की लवर बॉय वाली इमेज देखने को मिलेगी. जबकि आखिरी बार शाहिद कपूर फिल्म 'देवा' में देखा गया था, जिसमें उनका पुलिस ऑफिसर का किरदार था. वहीं 'ओ रोमियो' फिल्म एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है, इसमें शाहिद का रोमांटिक अवतार फैंस को सरप्राइज करेगा.

सोहा अली खान के साथ हुई शर्मनाक हरकत

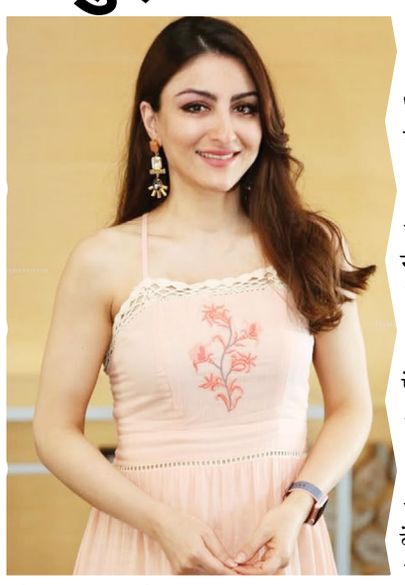

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस सोहा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'नो मीन्स नो' को लेकर चर्चा में हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने साथ हुई एक ऐसी घटना का खुलासा किया है, जिसके बारे में सुनकर तो आपके भी होश उड़ जाएंगे. हैरान की बात तो यह है कि ये सब सोहा के साथ रात में नहीं बल्कि दिनदहाड़े हुआ. दरअसल, सोहा को एक शख्स अपना प्राइवेट पार्ट दिखाने लगा, इस घटना सो वह बेहद असहज हो गईं थीं.सोहा अली खान हाल ही में हॉटेररफ्ली यूट्यूब चैनल के 'द मेल फेमिनिस्ट' पॉडकास्ट का हिस्सा बनीं, जहां उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में खुलकर तो बात की ही, साथ ही अपने अधिकारों पर बात करते हुए एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा भी किया. पॉडकास्ट के दौरान जब सोहा से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी पब्लिक प्लेट में खुलेआम 'फ्लैश' किया गया है? तो जवाब में सोहा ने कहा 'हां.' एक्ट्रेस ने आगे इस बारे में बात करते हुए कहा कि, 'ऐसा मेरे साथ इटली में हुआ था. जाहिर तौर पर वहां ऐसा अक्सर होता रहता है, लेकिन दिनदहाड़े.सोहा ने आगे कहा कि, 'उसका मकसद क्या होता है? मुझे समझ में नहीं आता. पता नहीं उनके दिमाग में क्या चलता है. ऐसी हरकतें करने वालों के दिमाग में घुसकर वह इसे समझना भी नहीं चाहती हैं कि आखिर वो इस तरह की हरकत क्यों करते हैं.' इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच के बारे में भी बात की और बताया, 'मेरे पास यह खास चीज है कि मैं इंडस्ट्री फैमिली से हूं, कहीं ना कहीं शायद इसी वजह से मैं बच गई.

पूनम पांडे ने फिर मचाया बवाल

अपनी बेबाक अदाओं और बयानों के लिए मशहूर एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे एक बार फिर चर्चा में हैं. इस बार वजह उनका एक नया वीडियो है, जो उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच से पहले शेयर किया है. इस वीडियो में पूनम अपने चिर-परिचित अंदाज में टीम इंडिया को सपोर्ट करती नजर आ रह हैं, लेकिन इस बार उनका मैसेज कुछ ज्यादा ही खास है. आइए जानते हैं एक्ट्रेस का ये वीडियो क्यों वायरल हो रहा है.पूनम पांडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह मुंबई की बिजी सड़कों पर एक साइन बोर्ड लेकर खड़ी हैं, जिस पर लिखा है, 'मैं पूनम पांडे, मैं अभी जिंदा हूं और इंडिया जीतने वाली है.' यह देखकर न सिर्फ पूनम के फैंस बल्कि सड़क पर चलने वाले लोग भी हैरान हैं और इससे में भी ज्यादा हैरान करने वाला उनका इस वीडियो के साथ कैप्शन है.वीडियो शेयर करते हुए पूनम ने कैप्शन में लिखा, 'आज मुंबई की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर निकली, जाहिर है फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई. खैर, जोर से और साफ कह रही हूं कि इंडिया ही जीतेगा. आज के सबसे विवादास्पद (मुझसे भी ज्यादा) क्रिकेट मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं. क्या आप तैयार हैं?' एक्ट्रेस ने जैसे ही मैच के बीच यह पोस्ट शेयर किया वैसे ही यह वायरल हो गया.

हैंडशेक विवाद पर पीसीबी में बड़ा एक्शन

विवाद के बाद अधिकारी की छुट्टी

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 के ग्रुप स्टेज में भारत के हाथों सात विकेट से मिली करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में हड़कंप मच गया है. हार के साथ-साथ पाकिस्तान के खिलाड़ियों को बीच मैदान बेइज्जती का सामना भी करना पड़ा. दरअसल, टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने इस मैच के बाद पाकिस्तान के किसी भी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया. इस घटना के बाद पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने एक बड़ा फैसला लिया है और अपने ही डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट के डायरेक्टर उस्मान वहला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है. यह कार्रवाई मैच के बाद हुई हाथ न मिलाने की विवादास्पद घटना को संभालने में कथित चूक के कारण की गई है, जिसने पाकिस्तानी टीम को खेल भावना के मामले में कमजोर स्थिति में डाल दिया. उस्मान वहला पिछले दो सालों से इस महत्वपूर्ण पद पर तैनात हैं और पाकिस्तान सुपर लीग के भी चेयरमैन हैं. उन पर आरोप है कि उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे को समय पर सुलझाने में असफलता दिखाई. पीसीबी की आंतरिक समीक्षा में पाया गया कि वहला ने मैच पहले की तैयारियों में पाकिस्तान के हितों की रक्षा करने में लापरवाही बरती. उनका मानना था कि उन्हें मैच शुरू होने से पहले ही इस मुद्दे को उठाना और सुलझा लेना चाहिए था. बता दें, मैच के बाद दोनों टीमें बिना किसी औपचारिक समापन के मैदान छोड़ गईं थीं. पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने इस घटना के विरोध में पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि हेड कोच माइक हेसन ने भारतीय पक्ष के रवैये पर गहरी नाराजगी जताई थी.

मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट पर भी पाकिस्तान ने गंभीर आरोप लगाए हैं. पीसीबी का दावा है कि टॉस के समय दोनों कप्तानों को हाथ न मिलाने की सूचना दी गई थी, जो आईसीसी की आचार संहिता का साफ उल्लंघन है. इस कारण पीसीबी ने पायक्रॉफ्ट को एशिया कप 2025 से हटाने की मांग की है. मोहसिन नकवी, जो एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख भी हैं, उन्होंने इस मामले में आईसीसी से तत्काल कार्रवाई की अपील की है.

जिम्बाब्वे ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में नामीबिया को 34 रनों से हराया

बुलावायो. ब्रायन बेनेट (94) और तदिवानाशे मारुमनी (62) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में नामीबिया को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 34 रनों से हरा दिया। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में मालन क्रूगर (13) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जान फ्राइलिन्क, जान निकोल लॉफ्टी-ईटन की जोड़ी ने दूसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। आठवें ओवर में सिकंदर रजा ने जान फ्राइलिन्क (21) को पगबाधा आउट कर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। जान निकोल लॉफ्टी-ईटन ने 24 गेंदों में 38 रनों की पारी खेली। कप्तान गेरहार्ड इरास्मस 19 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुये। जेन ग्रीन 27 गेंदों में (33), रूबेन ट्रम्पेलमैन नौ गेंदों में (20) तथा जेजे स्मिट दो रन बनाकर आउट हुये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे नामीबिया की टीम निर्धारित 20 ओवरों सात विकेट पर178 रन ही बना सकी और मुकाबला 34 रनों से हार गई।

पाटीदार ने दलीप ट्रॉफी जीती

सेंट्रल जोन ने साउथ जोन को हराया

नई दिल्ली. दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सेंट्रल जोन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए साउथ जोन को 6 विकेट से हरा दिया. इसके साथ ही उसने दलीप ट्रॉफी अपने नाम कर ली. दलीप ट्रॉफी को जीत के लिए महज 65 रन चाहिए थे, जिसे उसने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया. दलीप ट्रॉफी की जीत के हीरो यश राठौड़ रहे, जिन्होंने 194 रनों की धुआंधार पारी खेली. रजत पाटीदार ने एक बार फिर अपनी कप्तानी का दम दिखाया है. इनकी ही कप्तानी में आरसीबी ने आईपीएल जीता और अब उन्होंने दलीप ट्रॉफी में टीम को चैंपियन बनाया है.

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में खेले गए फाइनल मैच में साउथ जोन की टीम पहली पारी में सिर्फ 149 रनों पर ढेर हो गई थी. स्पिनर सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की जीत पहले दिन ही तय कर दी थी. इसके बाद इस जीत पर मुहर लगाई सेंट्रल जोन के बल्लेबाजों ने, जिन्होंने अपनी टीम को पहली पारी में 511 रनों तक पहुंचाया. कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार 101 रन बनाए. यश राठौड़ ने 194 रनों की पारी खेली. सारांश जैन ने बल्ले से भी जलवा दिखाते हुए 69 रन बनाए. ओपनर दानिश मालेवार ने भी 53 रनों की पारी खेली. दूसरी पारी में साउथ जोन ने 426 रन बनाकर मैच में वापसी की. अंकित शर्मा ने 99, आंद्रे सिद्धार्थ ने 84 रन ठोके लेकिन अंत में सेंट्रल जोन की टीम आसानी से मैच जीत गई.

यश राठौड़, सारांश जैन बने हीरो : पहली बारी में दोहरा शतक चूकने वाले यश राठौड़ को ही प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. वहीं सेंट्रल जोन के ऑलराउंडर सारांश जैन को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. सारांश जैन ने इस टूर्नामेंट 136 रन बनाने के अलावा 16 विकेट भी अपने नाम किए. कप्तान रजत पाटीदार भी टूर्नामेंट में छाए रहे, जिन्होंने 3 मैचों में 76 से ज्यादा की औसत से 382 रन बनाए. रजत की खास बात ये रही कि उनका स्ट्राइक रेट भी 96 से ज्यादा का रहा. यश राठौड़ ने टूर्नामेंट में 124 से ज्यादा की औसत से 374 रन बनाए. दानिश मालेवार ने भी 3 मैचों में 70 से ज्यादा की औसत से 352 रन ठोके.

हरियाणा की बॉक्सर बेटियों ने जीत ली दुनिया

चंडीगढ़. हरियाणा की बेटियों ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश को सोना-चांदी दिलाकर इतिहास रच दिया है। ब्रिटेन के लिवरपूल में आयोजित चैंपियनशिप में जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा) ने कड़े मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं, नूपुर श्योराण (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) ने गैर ओलंपिक भार वर्ग में क्रमश: रजत और कांस्य पदक प्राप्त किया। विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में भारत का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जैस्मिन, नूपुर और पूजा भिवानी की रहने वाली हैं, जबकि मीनाक्षी रोहतक से हैं।

जैस्मिन ने शनिवार रात पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को 4-1 से हराकर फीदरवेट वर्ग में खिताब जीता। इसके बाद मीनाक्षी ने रविवार को पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में इसी अंतर से हराया। भिवानी में जैस्मिन के पिता जयवीर, माता रविंद्र कौर और कोच संदीप ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि बेटी ने दिन-रात मेहनत की है। उन्हें विश्वास था कि वह मेडल जरूर जीतेगी। उन्होंने कहा कि जैस्मिन हमेशा समय पर मैदान में पहुंचती है और कड़ा अभ्यास करती है। माता-पिता ने कहा कि वह खिलाड़ी बेटियों के परिजनों को कहना चाहेंगे कि अपने बच्चों पर विश्वास रखें और उन्हें खेलने का बेहतर माहौल उपलब्ध करवाएं।

नूपुर के पिता व कोच और पूजा बोहरा के कोच भीम अवॉर्डी संजय श्योराण ने बेटियों के मेडल से न केवल देश का गौरव बढ़ा है, बल्कि हरियाणा व भिवानी का नाम विश्व स्तर पर ऊंचा हुआ है। इसके लिए इन खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की थी। इस मौके पर भिवानी निवासियों ने मिठाई बांटकर बेटियों की जीत पर खुशी मनाई। जीत के बाद जैस्मिन ने कहा, 'मैं जो महसूस कर रही हूं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। मैं पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में हार गई थी, लेकिन विश्व कप जीत से मेरा हौसला बढ़ा और मैंने तय किया कि मुझे एकतरफा मैच जीतने हैं। मैंने बस अपनी रणनीति और खेल पर ध्यान केंद्रित किया।'

जैस्मिन और मीनाक्षी विश्व चैंपियन बनने वाली भारतीय मुक्केबाजों की सूची में शामिल हो गई हैं। इससे पहले छह बार की चैंपियन एमसी मेरीकोम, दो बार की विजेता निकहत जरीन, सरिता देवी, जेनी आरएल, लेखा केसी, नीतू घनघस, लवलीना बोरगोहेन और स्वीटी बूरा यह खिताब जीत चुकी हैं।

73 की उम्र में पावरलिफ्टिंग में कमाल

तेलंगाना. तेलंगाना में 73 वर्षीय एक बैंकर ने हृदय की बाईपास सर्जरी होने के बावजूद हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीते हैं। डीवी शंकर राव ने अपनी उम्र को चुनौती देते हुए यह संदेश दिया कि अगर अनुशासन, मानसिक शक्ति और दृढ़ संकल्प हो तो सभी बाधाओं को पार किया जा सकता है।भद्राचलम के रहने वाले डीवी शंकर राव (73) देश में ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने हृदय बाईपास सर्जरी होने के बावजूद राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भाग लिया और विजयी हुए। केरल के कोझिकोड में पिछले महीने 'पावरलिफ्टिंग इंडिया' के तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप में एसबीआई से सेवानिवृत्त अधिकारी राव ने 83 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा की और पदक जीते। राव की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने पावरलिफ्टिंग का अभ्यास शुरू करने के छह महीने बाद ही यह पदक जीते हैं। राव ने कहा, 'मैं रोज सुबह टहलने जाता हूं और योग करता हूं। टहलने के दौरान मुझे मेरे एक दोस्त ने मेरे शरीर को देखते हुए मुझे जिम में प्रशिक्षण लेने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में मैं थोड़ा हिचकिचा रहा था क्योंकि मेरी हृदय की बाईपास सर्जरी हुई थी।' राव की 2012 में बाईपास सर्जरी हुई थी और उन्होंने इस साल फरवरी में पावरलिफ्टिंग का प्रशिक्षण शुरू किया था। उन्होंने कहा, 'जिम में आने वाले कुछ चिकित्सकों ने उन्हें पावरलिफ्टिंग जारी रखने की सलाह दी लेकिन सांस लेने में तकलीफ या बेचैनी महसूस होने की स्थिति में प्रशिक्षण बंद करने को कहा।'राव ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए आवेदन नहीं कर सके क्योंकि वह तुरंत भुगतान के लिए धन जुटाने की स्थिति में नहीं थे।

योगेश कथुनिया की विश्व रिकॉर्ड चुनौती

नई दिल्ली. भारत पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, ऐसे में पैरालंपिक में पुरुषों की डिस्कस थ्रो F56 स्पर्धा में रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया पहले से कहीं अधिक दृढ़ हैं। वह 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस महामुकाबले में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। चैंपियनशिप का यह संस्करण ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में इस तरह का कोई वैश्विक पैरा एथलेटिक्स आयोजन हो रहा है, बल्कि इसलिए भी कि यह योगेश को घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ और अपने ही लोगों के सामने अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का मौका देता है। योगेश के लिए यह कोई साधारण प्रतियोगिता नहीं है। उनका पूरा परिवार वहां मौजूद होगा, उनका उत्साहवर्धन करेगा, हर टॉस और हर सांस का साक्षी होगा।

टेनिस की मदद के लिए सिर्फ पद पर काबिज होना ही एकमात्र रास्ता नहीं है: सानिया

दुबई. राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुसार देश के प्रत्येक खेल महासंघ की 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति में चार महिलाओं का होना अनिवार्य है लेकिन दिग्गज खिलाड़ी सानिया मिर्जा का मानना है कि युवा प्रतिभाओं को तराशने में उनकी भूमिका अखिल भारतीय टेनिस संघ में एक पद से कहीं अधिक है। खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए पथ प्रदर्शक रहीं सानिया ने अपने दुबई स्थित आवास से पीटीआई से कई मुद्दों पर बात की जिनमें टेनिस में वेतन समानता से लेकर स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारत की डेविस कप जीत शामिल रहीं जबकि उन्होंने 16 साल की माया राजेश्वरन रेवती की विशेष प्रतिभा पर भी बात की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह निकट भविष्य में खेल प्रशासन में दिखाई दे सकती हैं तो सानिया ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मदद करने के लिए उस शक्तिशाली पद पर होना ही एकमात्र तरीका है। ईमानदारी से कहूं तो मेरा यही जवाब है। अगर मुझे मौका मिले तो क्या मैं कर पाऊंगी, तो क्या मैं उस पद पर रहकर और योगदान दे पाऊंगी तो मैं ऐसा करना पसंद करूंगी। लेकिन

क्या मैं इसका लक्ष्य बना रही हूं तो मेरा जवाब है, नहीं। क्योंकि यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'

सानिया के लिए भारतीय टेनिस की अगली पीढ़ी के स्तर को बढ़ाने में मदद करने के लिए कोई पद पर बैठना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य युवा पीढ़ी के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों और विशेषकर युवा लड़कियों की मदद करना है क्योंकि मुझे लगता है कि उनके पास ज्यादा आदर्श नहीं हैं जिनसे वे प्रेरणा ले सकें।' सानिया ने कहा, 'मैं अपने अनुभव साझा करना चाहती हूं। और अगर मुझे इसके लिए किसी तंत्र में शामिल होने का मौका मिलता है और इससे मुझे सिर्फ फोन पर बात करने या कोर्ट पर उनकी मदद करने या किसी भी तरह की अन्य चीज से ज्यादा मौके मिलते है तो मुझे ऐसा करने में खुशी होगी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मेरा फोकस इस पर नहीं है। यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'सानिया के बाद भारत में महिला टेनिस में कौन उभरती हुई प्रतिभा है , यह पूछने पर उन्होंने माया राजेश्वरन रेवती का नाम लिया । माया स्पेन में राफेल नडाल अकादमी में ट्रेनिंग लेती हैं। सानिया ने कहा, 'माया में काफी प्रतिभा है। मेरे बाद कौन आएगा, यह ऐसा सवाल है जिससे हम शायद पिछले 25 साल से जूझ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'तो एक 15-16 साल की युवा खिलाड़ी को आगे बढ़ते हुए देखना और अपने आयु वर्ग के ऊपर वर्गों में भी अपनी पकड़ बनाए रखते.

भारतीय टीम को चीन ने हराया

एशिया कप जीतने का सपना टूटा

नई दिल्ली. महिला एशिया कप हॉकी 2025 के फाइनल मैच में भारत की महिला हॉकी टीम को मेजबान चीन के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा. भारतीय टीम दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन फाइनल मैच में वह अपनी फॉर्म को बरकरार नहीं रख सकी. भारतीय टीम ने इस मुकाबले में शानदार शुरुआत तो की, लेकिन दूसरे हाफ में चीनी टीम ने कमबैक करते हुए मैच को अपने पक्ष में मोड़ लिया.

मैच की शुरुआत भारत के पक्ष में रही. भारतीय टीम को महज पहले मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे दिग्गज फॉरवर्ड नवनीत कौर ने शानदार ड्रैग फ्लिक से गोल में बदल दिया. यह गोल भारतीय टीम को तुरंत बढ़त दिलाने वाला था, जिससे पूरे स्टेडियम में उत्साह की लहर दौड़ गई. नवनीत का यह शॉट न केवल ताकतवर था, बल्कि सटीकता का भी बेहतरीन नमूना था. लेकिन गोल के बाद चीन ने अपनी रफ्तार बढ़ा दी. पहले क्वार्टर में चौथे मिनट में उन्हें पेनल्टी कॉर्नर मिला, जहां सुनेलिता टॉप्पो ने गोललाइन पर शानदार ब्लॉक किया, उसके बाद गोलकीपर बिचू देवी ने एक और बचाव किया. 15वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर आया, लेकिन भारतीय फर्स्ट रशर ने चीनी हमले को नाकाम कर दिया.

दूसरे क्वार्टर में भी चीन ने लगातार दबाव बनाए रखा. 17वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे बिचू देवी ने रोका. हालांकि 21वें मिनट में चीन को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, और इस बार कप्तान ओउ जिक्सिया ने इसे बखूबी कन्वर्ट करते हुए बराबरी कर ली. हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा.

चौथे क्वार्टर में चीन ने अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया. 51वें मिनट में यिंग झांग ने सर्कल के अंदर सटीक पास दिया, जिसे जोउ मेइरोंग ने फर्स्ट टच से पोस्ट के सामने फिनिश करते हुए तीसरा गोल दाग दिया. महज दो मिनट बाद, 53वें मिनट में झोंग जियाकी ने दाहिने फ्लैंक से शानदार रन लगाया, सर्कल में कट किया और गोलकीपर को मात देते हुए चौथा गोल कर दिया. इन लगातार गोलों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया, और भारत को रिकवरी का मौका नहीं मिला.

दूसरे हाफ में चीन की वापसी

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मजबूत वापसी की कोशिश की. उन्होंने चीनी टीम को उनके ही हाफ में कैद रखा और लगातार सर्कल में एंट्री की, लेकिन गोल नहीं कर सके. 40वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कन्वर्शन न होने पर गेंद चीन के पास चली गई. चीनी टीम ने तेज काउंटर अटैक लॉन्च किया, और ली होंग ने अकेले दौड़ लगाते हुए बैक-हैंडेड शॉट से गोलकीपर को चकमा दिया. जिससे चीन 2-1 से आगे हो गया.

जैस्मिन के बाद मीनाक्षी ने भी जीता स्वर्ण पदक

कजाखस्तान की मुक्केबाज को दी मात

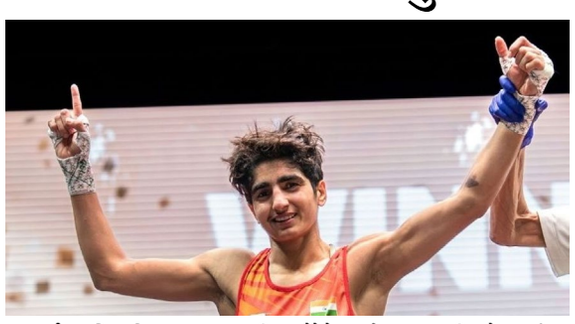

नई दिल्ली. भारत की मुक्केबाज जैस्मिन लंबोरिया के बाद मीनाक्षी हुड्डा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया है। पहले जैस्मिन ने 57 किग्रा में सोना अपने नाम किया और फिर मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए। जैस्मिन ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद डेब्यू कर रहीं मीनाक्षी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में 4-1 से हराकर जुलाई में विश्व कप में मिली हार का बदला चुकता किया। नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमश: रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने प्रतियोगिता में चार पदक जीते जो विदेशी सरजमीं पर उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इस जीत के साथ जैसमीन और मीनाक्षी विश्व चैम्पियन बनने वाली भारतीय मुक्केबाजों की सूची में शामिल हो गई हैं। इससे पहले छह बार की चैंपियन एम सी मेरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता निकहत जरीन (2022 और 2023), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006), लेखा केसी (2006), नीतू गंघास (2023), लवलीना बोरगोहेन (2023) और स्वीटी बूरा (2023) यह खिताब जीत चुकी हैं।

24 साल की मीनाक्षी बैकफुट पर सहज दिखीं और उन्होंने सीधे मुक्के जड़े जबकि कजाखस्तान की 31 वर्षीय अनुभवी मुक्केबाज पूरी आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रही थीं।

सिर्फ 3833 वोटों में कार्की बनीं नेपाल की नई प्रधानमंत्री

काठमांडू.

नेपाल में सुशीला कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने को लेकर नया खुलासा हुआ है. इसके तहत कार्की को पीएम चुनने के लिए गेमिंग ऐप का इस्तेमाल किया गया और सोशल मीडिया पर सर्वे कराए गए. दिलचस्प बात है कि महज 7713 वोट के आधार पर कार्की का चयन हुआ. यह वोट किसने दिए, ये भी किसी को नहीं पता. रिपोर्ट के मुताबिक केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद जेनरेशन-जेड के नेताओं ने डिस्कॉर्ड पर एक सर्वे कराया. इस सर्वे में सुशीला कार्की के अलावा धरान के मेयर हड़का सम्पाग और महावीर पुन का नाम शामिल था.

डिस्कॉर्ड पर हुए इस मतदान

> 3 दिन बाद ही विरोध शुरू

में कुल 7713 वोट पड़े. कार्की के पक्ष में 50 प्रतिशत वोट पड़े. 3833 लोगों की पहली पसंद कार्की बनी. दूसरे नंबर पर रेंडम नेपाली रहा. रेंडम नेपाली का मतलब होता है कि कोई ऐसा शख्स जो नेपाल का हो. तीसरे नंबर पर सागर ढकाल रहे, जिनके पक्ष में 1000 से ज्यादा लोगों ने वोट किया.

धरान के मेयर हड़का सम्पाग चौथे और महावीर पुन पांचवे नंबर पर रहे. इसी सर्वे को आधार बनाकर जेन-जेड के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से डील की. कहा जाता है कि जेनरेशन-जेड के कहने पर ही पौडेल ने कार्की की नियुक्ति अंतरिम प्रधानमंत्री पद पर की.

नेपाल में 3 दिन बाद ही कार्की का विरोध शुरू हो गया है. दिलचस्प बात है कि कार्की का विरोध वो लोग कर रहे हैं, जिन लोगों ने 3 दिन पहले उनकी नियुक्ति में अहम भूमिका निभाई थी.

नेपाली मीडिया के मुताबिक सुडान गुरुंग और उनकी टीम ने कार्की का विरोध शुरू कर दिया है. रविवार और सोमवार को गुरुंग की टीम ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया. गुरुंग टीम का कहना है कि प्रधानमंत्री कार्की मनमाने तरीके से फैसला ले रही हैं. गुरुंग की टीम ने कैबिनेट विस्तार को लेकर कार्की का विरोध किया है.

सर्वे को लेकर उठ रहे 2 सवाल

इस सर्वे को लेकर 2 सवाल अब भी उठ रहे हैं. डिस्कॉर्ड एक अमेरिकी गेमिंग कंपनी है. इसके 200 मिलियन यूजर्स हैं. डिस्कॉर्ड पर आखिर किसने यह सवाल डाला और उसने यह सवाल किस हैसियत से डाला. दूसरा कि आखिर इस सर्वे में किन लोगों ने भाग लिया. गोपनीयता के आधार पर डिस्कॉर्ड अपने यूजर्स का लोकेशन नहीं बताता है. क्या कार्की के चुनाव में सिर्फ नेपाल के लोगों ने भाग लिया था और वे लोग कौन थे.

हिंदुओं को सलाह देने वाला नदीम गिरफ्तार

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने समुदाय विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. यह वीडियो अब्दुल्ला रेजिडेंसी विवाद के दौरान बनाया गया था. वीडियो में मदीना मस्जिद के पास रहने वाला नदीम नाम का व्यक्ति हिंदू समुदाय को लेकर भड़काऊ बातें करता सुनाई दे रहा है. एफआईआर के अनुसार, नदीम ने वीडियो में कहा कि अब्दुल्ला रेजिडेंसी में केवल मुस्लिम रहेंगे. हिंदू अपने अलग इलाके में रहें. आरोपी ने इस दौरान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिए भी आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया. मामले में लोहियानगर थाना के उपनिरीक्षक शिवकान्त वर्मा की लिखित सूचना पर 12 सितंबर 2025 को शाम 4:31 बजे भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 353(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया. मामले में पुलिस ने आरोपी नदीम निवासी गली नंबर 6, मदीना मस्जिद, जाकिर कॉलोनी, लोहियानगर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.एफआईआर में लिखा है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड हुआ है. इसमें एक व्यक्ति अब्दुल्ला रेजीडेंसी में धार्मिक आधार पर प्लॉट बिक्री को लेकर कह रहा है कि इसमें कोई हिंदू नहीं रहेगा. मुस्लिम मोहल्ले में केवल मुस्लिम रहेंगे. कोई हिंदू नहीं रहेगा. हिंदू अपने मोहल्ले में अलग रहेंगे. इसके साथ ही उसने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के खिलाफ भी आपत्तिजनक टिप्पणी की.

वीडियो के संबंध में जानकारी की तो पता चला कि वीडियो में इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करने वाला मदीना मस्जिद जाकिर कॉलोनी निवासी नदीम है. उसके इस तरह की भाषा और शब्दों का प्रयोग करने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं. साथ ही दो धर्मों के बीच दुर्भावना और कटुता पैदा हो रही है. नदीम के खिलाफ बीएसएस की धारा 353/2 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है.

युवक पर अमानवीय अत्याचार

> बंधक बनाकर उखाड़े नाखून

पठानमथिट्टा.

केरल के पठानमथिट्टा जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है. पुलिस ने यहां एक कपल को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने क्रूरता की हदें ही पार कर डाली थीं. उन्होंने दो युवकों को हनीट्रैप में फंसाया. फिर मिलने के बहाने बुलाकर जो हश्र किया, वो दिखाता है कि इस कपल में इंसानियत नाम की कोई चीज ही नहीं है. कपल ने युवकों को पहले लूटा. फिर उनके जननांगों में दर्जनों स्टेपलर पिन घोंप दिए, नाखून उखाड़े और घावों पर मिर्च पाउडर छिड़ककर हैवानियत की. बताया जा रहा है कि आरोपी जोड़ा मानसिक रूप से विक्षिप्त हो सकता है.

घटना पठानमथिट्टा के चारलकुन्नु इलाके की है. अरनमुला पुलिस ने आरोपी जोड़े को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के मुताबिक, यह वारदात कोइप्रम के अंथालिमोन्नी में हुई. युवती ने प्रेम का बहाना बनाकर दो युवकों को अलग-अलग मौकों पर अपने घर बुलाया और उनके साथ हैवानियत की. इस घटना के सामने आने के बाद यह चर्चा चल रही, क्या यह एक सोची-समझी हनी ट्रैप की साजिश थी या फिर अंधविश्वास और जादू-टोने की भयावह दुनिया से जुड़ा मामला?

पहली घटना सितंबर 1 को हुई, जब अलप्पुझा के एक युवक को निशाना बनाया गया. पुलिस जांच से पता चला कि आरोपी युवक ने पीड़ित युवक को मारामोन जंक्शन से अपने घर लाया. घर पहुंचते ही युवक को अपनी पत्नी के साथ प्रेम संबंध का नाटक करने को कहा. बोला- चल मेरी बीवी से रोमांस का नाटक कर. फिर इसका वीडियो भी शूट किया. इसके बाद युवक को बांध दिया गया, उस पर पेपर स्प्रे छिड़का गया. उसके जननांगों में करीब 26 स्टेपलर पिन घोंप दी गईं. इतना ही नहीं, उसके नाखून उखाड़े गए, पूरे शरीर पर तार से पीटा गया और घावों पर मिर्च पाउडर छिड़क दिया गया. युवक बेहोश हो गया, तो जोड़े ने उसे सुनसान सड़क पर फेंक दिया.घटना का खुलासा तब हुआ जब एक स्थानीय व्यक्ति ने घायल युवक को देखा और उसे अस्पताल पहुंचाया. अस्पताल में युवक ने एक न्यूज चैनल को बताया कि जोड़ा किसी आत्मा से ग्रस्त लग रहा था. जादू-टोने जैसी रस्में अदा कीं और माहौल मानव बलि कांड जैसा भयानक था. पीड़ित ने खुलासा किया कि आरोपी युवती ने सबसे ज्यादा यातनाएं दीं. खुद उसके जननांगों में स्टेपलर पिन घोंपी. उसके पूरे शरीर पर स्टेपलर पिन हथौड़े से ठोंकी गईं. उसकी एक आंख की रोशनी आंशिक रूप से चली गई और पसलियां टूट गईं.

नेट जीरो 2070 लक्ष्य को भी देगी मजबूती

> देश के ऊर्जा संतुलन में सहायक नई परियोजना

बेंगलुरु.

कर्नाटक में शरावती पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) को लेकर सार्वजनिक सुनवाई 16 और 18 सितंबर को प्रस्तावित है। बताया जाता है कि यह परियोजना देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी. माना जा रहा है यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और नेट जीरो 2070 लक्ष्य को भी मजबूती देगी.

इस परियोजना के तहत 2500 मेगावॉट बिजली का उपयोग कर 2000 मेगावॉट उत्पादन होगा। इसे ऊर्जा संतुलन और ग्रिड स्थिरता बनाए रखने के लिए एक "विशाल बैटरी" कहा जा रहा है। परियोजना के लिए बहुत ही कम वन और निजी भूमि की आवश्यकता होगी. साथ ही पूरे 60 वर्षों में सिर्फ 0.37 टीएमसी पानी की जरूरत होगी, जबकि शरावती नदी का वार्षिक प्रवाह 180220 टीएमसी है.

वहीं, इस परियोजना को लेकर वन विभाग ने आश्वासन दिया है कि इस परियोजना से प्रभावित क्षेत्रों में लुप्तप्राय प्रजातियों जैसे लायन-टेल्ड मकाक की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी. विशेषज्ञों का मानना है कि यह सबसे सस्ती और प्रभावी बड़े पैमाने की ऊर्जा भंडारण तकनीक है, जहां पानी प्राकृतिक बैटरी की तरह काम करेगा. इस परियोजना में 'वन नेशन, वन ग्रिड' के अंतर्गत पहले से मौजूद ट्रांसमिशन लाइन का ही उपयोग किया जाएगा. इस परियोजना को 13 केंद्रीय और स्वायत्त निकायों से विस्तृत अध्ययन के बाद मंजूरी मिल चुकी है. कुछ प्रक्रिया अभी चल रही है. जल्द ही इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2032-34 तक 82,000 मेगावॉट पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट स्थापित करने का लक्ष्य रखा है. वर्तमान में चीन 50,000 मेगावॉट, जापान 30,000 मेगावॉट और अमेरिका 25,000 मेगावॉट क्षमता के साथ आगे हैं. भारत को वैश्विक मानक हासिल करने के लिए इस दिशा में तेजी से काम करना आवश्यक है. शरावती पम्प्ड स्टोरेज परियोजना भारत की कोयला-मुक्त और स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की ओर एक बड़ा और निर्णायक कदम माना जा रहा है. कोयला-मुक्त होने की वजह पर्यावरण पर इसका कोई असर नहीं होगा बल्कि पर्यावरण को इसके विस्तार से काफी लाभ होगा.

विकसित बिहार का विजन

एनडीए का साझा घोषणा-पत्र जल्द जारी

पटना.

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की मजबूती का संदेश देने के लिए साझा घोषणा पत्र जारी करने की तैयारी है. इसमें अगले पांच साल के लिए एनडीए सरकार के वादों का ब्यौरा होगा. माना जा रहा है कि इस बार एनडीए विकसित भारत के लिए विकसित बिहार की थीम पर घोषणापत्र लाएगा. इसमें बिहार में निवेश में वृद्धि, युवाओं को रोजगार, महिलाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन आदि पर जोर होगा.

साल 2020 में बीजेपी और जेडीयू ने मिलकर चुनाव लड़ा था लेकिन तब दोनों पार्टियों ने अलग-अलग घोषणापत्र जारी किया था. सूत्रों के मुताबिक, सहयोगी दल एनडीए के साझा घोषणापत्र के अलावा चाहे तो अपना अलग से भी घोषणापत्र जारी कर सकते हैं. एनडीए के साझा घोषणा के पीछे मकसद एनडीए की एकजुटता और बिहार के लोगों के हित में साथ मिलकर काम करने का संदेश देना है. दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव में जुटे एनडीए के सभी घटक दल एकजुटता का संदेश दे रहे हैं. कुछेक बयानों को छोड़ दे तो एनडीए के सभी सहयोगी एक साथ जमीन पर बिहार में जीत के लिए काम कर रहे है. दरअसल इस बार एनडीए की रणनीति शुरू से ही रही है कि जमीन पर भी कार्यकर्ता खुद को एनडीए का कार्यकर्ता समझे. ऐसा इसलिए क्योंकि अक्सर देखा गया है की दलों का गठबंधन तो हो जाता है पर जमीन पर कार्यकर्ताओं में दूरिया बनी रहती है इसलिए इस बार पहले बूथवार एनडीए के साझा कार्यक्रम किए गए ताकि बूथस्तर तक एनडीए के कार्यकर्ताओं की दूरियां मिट सकें.

'औरंगजेब कुशल प्रशासक' कुलपति के बयान पर बवाल

एबीवीपी ने किया हंगामा; पुतला फूंका

जयपुर. राजस्थान के उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा. यहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया. एबीवीपी के छात्रों ने कुलपति डॉ. सुनीता मिश्रा के विवादित बयान का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया. एक सेमिनार के दौरान कुलपति ने औरंगजेब को कुशल प्रबंधक बताया था, जिसे लेकर छात्रों में आक्रोश फैल गया. छात्रों का कहना है कि यह बयान मेवाड़ की गौरवशाली परंपरा का अपमान है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने प्रशासनिक भवन का शीशा तोड़ दिया. इतना ही नहीं प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, लेकिन छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे. प्रदर्शनकारी छात्रों ने कुलपति के खिलाफ नारेबाजी की. इसके अलावा प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि कुलपति डॉ. सुनीता मिश्रा को तत्काल बर्खास्त किया जाए. यही नहीं, कुछ छात्रों ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कुलपति पर व्यक्तिगत टिप्पणियां भी कीं. प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सुनीता मिश्रा का पुतला भी फूंक दिया. साथ ही जमकर नारेबाजी की. छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका प्रदर्शन जारी रहेगा.

पुलिस-प्रशासन मौके पर मौजूद है और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है. यह मामला सिर्फ एक बयान तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्र इसे क्षेत्रीय अस्मिता और मेवाड़ की संस्कृति का अपमान मान रहे हैं. वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभी तक औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है.इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सार्वजनिक मंचों पर दिए गए बयानों का सामाजिक असर कितना बड़ा हो सकता है और ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही कितनी जरूरी है.

ईसाई धर्म अपनाने पर गांव ने किया बहिष्कार

भोपाल.

> मांगी माफी, तब जाकर हुआ अंतिम संस्कार

मध्य प्रदेश के बैतूल जिले से धर्मांतरण का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां धर्मांतरण के विवाद के चलते एक महिला का अंतिम संस्कार रोक दिया गया. साथ ही महिला के अंतिम संस्कार में शामिल होने गांव का कोई भी व्यक्ति नहीं पहुंचा. यहां तक की गांव के लोगों ने महिला के शव को श्मशान दफनाने भी नहीं दिया. लोगों का कहना था कि मृतक महिला के परिवार ने समाज से अलग होकर ईसाई धर्म अपना लिया था. मामला जिले के आमला ब्लॉक के कन्नड़गांव का है. यहां शनिवार धर्मांतरण के विवाद के चलते महिला का अंतिम संस्कार रुक गया. जानकारी के मुताबिक, गांव के रहने वाले राजाराम परते की मां ललिता परते का शनिवार को निधन हो गया. उनकी उम्र करीब 50 साल थी. राजाराम को उम्मीद थी कि इस दुखद समय में गांव के लोग उसके साथ खड़े होंगे, लेकिन गांव के लोगों ने उनसे या मुंह मोड़ लिया.

ग्रामीणों का कहना है कि ललिता का परिवार कई साल पहले ईसाई धर्म अपना चुका है. वे आदिवासी समाज के रीति रिवाजों को नहीं मानते. उसका अदिवासी समाज से कोई लेना देना नहीं है तो ऐसे में वे उसके उसके घर क्यों ही जाएं. गांव वाले उससे इतना नाराज थे कि उन्होंने मृतका के शव को श्मशान घाट में दफनाने तक नहीं दिया.

मामला तब जाकर शांत हुआ, जब मृतका के परिवार ने गांव की पंचायत के सामने माफी मांगी. साथ में उन लोगों ने गांव के देवी-देवताओं की कसम ली और कहा कि वे फिर से आदिवासी समाज और परंपराओं को अपनाएंगे और फिर से कभी दूसरे धर्म को नहीं अपनाएंगे. इसके बाद गांव के लोगों ने मृतका का अंतिम संस्कार गांव के श्मशान घाट में करने का इजाजत दिया. मामले में जब मृतका के परिवार ने आदिवासी समाज को अपनाया लिया तो गांव के लोग मान गए. इसके बाद गांव के बड़े बुजुर्ग और पंचायत की मौजूदगी में देर रात महिला का अंतिम संस्कार किया गया. अंतिम संस्कार आदिवासी समाज के रीति-रिवाजों से संपन्न हुआ. इस गांव में करीब 70 फीसदी लोग आदिवासी समाज के हैं.

सिंगापुर पहुंचा आईएनएस निस्तार

नई दिल्ली.

भारतीय नौसेना का नया स्वदेशी जहाज आईएनएस निस्तार पहली बार 14 सितंबर 2025 को सिंगापुर पहुंचा. यह जहाज आज से (15 सितंबर) शुरू होने वाले बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास "पैसिफिक रीच-2025" में हिस्सा लेगा. इस अभ्यास में 40 से ज़्यादा देश शामिल होंगे. सिंगापुर के चांगी नेवल बेस पर मौजूद यह भारतीय नौसैनिक जहाज अब यहां बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास पैसिफिक रीच 2025 (एक्सपीआर-25) में हिस्सा लेगा. यह एक्सरसाइज साउथ चाइना सी में होगी. यह आईएनएस निस्तार की पहली विदेशी यात्रा है.

आईएनएस निस्तार स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है, और यह भारत की आत्मनिर्भरता की ओर एक और बड़ा कदम है.आईएनएस निस्तार को 18 जुलाई 2025 को विशाखापत्तनम में नौसेना में शामिल किया गया था. यह भारत की आत्मनिर्भरता का बड़ा उदाहरण है, क्योंकि इसे 80% से ज़्यादा देशी तकनीक से बनाया गया है. इसमें गहरे समुद्र में काम करने वाली मशीनें और पनडुब्बी बचाव वाहन (डीएसआरवी) को साथ ले जाने की क्षमता है.

आईएनएस निस्तार की लंबाई 118.4 है वहीं चौड़ाई 22.8 मीटर है. खास बात ये है कि ये जहाज 60 दिनों तक बिना रिफ्यूलिंग के चल सकता है. इस जहाज का नाम संस्कृत शब्द 'निस्तार' से लिया गया है, जिसका मतलब 'मुक्ति' या 'बचाव' होता है.

भारत के पास अब ऐसे दो आधुनिक डीएसआरवी हैं, जो 650 मीटर गहराई तक जाकर पनडुब्बियों को बचा सकते हैं. इनका इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर किसी भी जहाज पर किया जा सकता है या फिर हवाई जहाज से जल्दी से जल्दी दूर समुद्रों में भेजा जा सकता है.

बंदरगाह चरण : इसमें पनडुब्बी बचाव पर चर्चा, मेडिकल से जुड़े कार्यक्रम और देशों के बीच आपसी अनुभव साझा किए जाएंगे.समुद्री चरण : इस दौरान आईएनएस निस्तार और भारतीय नौसेना की टीम दूसरे देशों के साथ मिलकर पनडुब्बी बचाव का अभ्यास करेगी. यह अभ्यास भारत की समुद्री क्षमता को मजबूत करने और दुनिया के देशों के साथ साझेदारी बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है.

नाबालिग की हिरासत में पिटाई और यौन उत्पीड़न

गांधीनगर.

> मामला हाई कोर्ट जाएगा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (15 सितंबर) को गुजरात पुलिस द्वारा 17 साल के नाबालिग लड़के के कथित यौन उत्पीड़न और हिरासत में पिटाई के आरोपों पर दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया. कोर्ट ने याचिकाकर्ता को गुजरात हाई कोर्ट जाने की सलाह दी है. जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने याचिकाकर्ता के प्रति सहानुभूति जताई और याचिकाकर्ता के वकील से सवाल किया कि आपने हाई कोर्ट का दरवाजा क्यों नहीं खटखटाया?. बेंच ने कहा 'हमें आपसे पूरी सहानुभूति है, लेकिन आपने हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया?'. कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाई कोर्ट से राहत मांगी जा सकती है.

पीड़ित की बहन की तरफ से दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि 18 अगस्त को गुजरात पुलिस ने लड़के को सोना और कैश चोरी के शक में उठाया और 19 से 28 अगस्त तक हिरासत में रखा. इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उसके साथ न सिर्फ बेरहमी से मारपीट की बल्कि उसका यौन शोषण भी किया.

याचिकाकर्ता ने गुजरात कैडर के अधिकारियों को छोड़कर विशेष जांच दल गठित करने या वैकल्पिक रूप से कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच कराने की मांग की. इसके अलावा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , दिल्ली से मेडिकल बोर्ड बनाकर पीड़ित की चोटों की जांच करने का निर्देश देने की गुहार भी लगाई. हालांकि बेंच ने कहा कि ऐसी मांगों पर हाई कोर्ट भी विचार कर सकता है. जब वकील ने तर्क दिया कि यह मुद्दा पूरे देश में नाबालिगों की पुलिस हिरासत में यातना से जुड़ा है, तो अदालत ने कहा, 'आप हाईकोर्ट जाइए, अगर हाईकोर्ट आपके मामले पर विचार नहीं करता है तो वापस आइए। हम आपकी याचिका पर गौर करेंगे'.याचिकाकर्ता ने बोटाद थाने की सीसीटीवी फुटेज नष्ट होने की आशंका भी जताई. इस पर बेंच ने कहा, 'यदि आप समय से हाई कोर्ट जाएंगे तो फुटेज नष्ट नहीं होगा'. इसके बाद कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी

'पुलिस ने नहीं कराई मेडिकल जांच' : याचिका में दावा किया गया कि लड़के को हिरासत में लिए जाने के 24 घंटे के भीतर न तो किशोर न्याय बोर्ड और न ही मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया. इसमें कहा गया है कि हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने उसकी मेडिकल जांच भी नहीं कराई. इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), पोक्सो अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर स्वतंत्र जांच कराने की मांग की गई.

'सुरखा' को टक्कर देने आया थाईलैंड का 'थाई पिंक' अमरूद

नई दिल्ली.

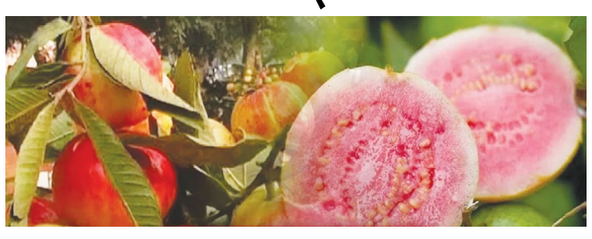

कुंभ नगरी प्रयागराज की एक पहचान जहां संगम है तो वहीं दूसरी पहचान लाल रंग का सेब जैसा दिखने वाला इलाहाबादी अमरूद है. इसे सुरखा या एप्पल ग्वावा भी कहा जाता है. ये अमरूद केवल सर्दियों के दिनों में बाजार में आता है लेकिन इस बार बिना सर्दी के भी मानसून के मौसम में एक अमरूद ने प्रयागराज में एंट्री मारी है. ये अमरूद न केवल देखने में काफी आपकर्षक हैं बल्कि इस नए अमरूद को लेकर स्थानीय किसान भी काफी सजग हैं.

सितंबर के इस उमस भरे मौसम में प्रयागराज शहर ने थाईलैंड के 'थाई पिंक' अमरूद ने ऐसी एंट्री मारी है कि इलाहाबादी अमरूद पैदा करने वाले किसान परेशान नजर आने लगे हैं. शहर की सबसे बड़ी मुंडेरा सब्जी मंडी में थाईलैंड के ये अमरूद हर दिन 100 से 150 टन आ रहे हैं. मुंडेरा फल मंडी के अध्यक्ष सतीश कुशवाहा कहते हैं कि इस सीजन में मौसम्मी और सेब का बोलबाला रहता है लेकिन थाई लैंड की एक प्रजाति के अमरूद ने यहां सेब का बाजार पीछे छोड़ दिया है. शहर की सभी फल मंडियों ने इसने कब्जा कर लिया है.

औद्योगिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरो बाग के प्रशिक्षण प्रभारी और शोध स्कॉलर वीके सिंह बताते हैं कि बाजार में एंट्री करने वाली अमरूद की इस प्रजाति का नाम थाई पिंक वीएनआर है. यह थाईलैंड की प्रजाति है जिसे रायपुर , पुणे और छत्तीसगढ़ में कुछ किसान पैदा करते हैं. यह देखने में हरा लेकिन अंदर से इसका गूदा लाल होने से लोग इसे इलाहाबादी अमरूद समझ बैठते हैं. फुटकर बाजार में यह सौ से सवा सौ रुपए किलो बिक रहा है.

अमरूद उत्पादक किसानों की डर की कई वजह है. विगत वर्षों में अमरूद का उत्पादन प्रयागराज क्षेत्र में तेजी से घटा है. इलाहाबादी अमरूद में पहले बिल्ट डिजीज और फिर फ्रूट फ्लाई का हमला हुआ. कहीं बाहर का थाई पिंक वीएनआर अमरूद यहां के परंपरागत एप्पल ग्वावा को चुनौती न देने लगे. उत्तर प्रदेश कृषि और शोध परिषद ने इलाहाबादी अमरूद की शान वापस लाने के लिए एक परियोजना पर शोध प्रारंभ किया, जिससे किसानों के अमरूद के उपज को बढ़ाया जाए. इसके अंतर्गत अमरूद के पेड़ की एस्पेलियर विधि द्वारा ट्रेनिंग, पेड़ की प्रूनिंग, खाद और बैगिंग तकनीक द्वारा किसानों को समय समय पर ट्रेनिंग दे रहे है , इस शोध के परिणाम जल्द ही दिखेंगे और इलाहाबाद अमरूद पुनः अपनी पुरानी, ग्लोरी को वापस लेगा.